दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 30 अक्टूबर 2025
सूर्योदय प्रात: 06:18 बजे
सूर्यास्त सांय 17: 4. बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 SIR की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 013 | गाजियाबाद, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

एनसीएम अध्यक्ष नियुक्ति संबंधी याचिका पर विचार नहीं

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) के अध्यक्ष की नियुक्ति संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिका में केंद्र को एनसीएम अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के लिए मुसलमानों व सिखों के अलावा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों पर विचार करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय एवं न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992, आयोग में अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधित्व का प्रावधान करता है, लेकिन किसी विशेष समुदाय से अध्यक्ष की नियुक्ति अनिवार्य नहीं करता है। पीठ ने कहा कि जैसा भी हो अधिनियम की धारा-3 केवल यह प्रावधान करती है कि आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष व पांच सदस्य होंगे। अधिनियम यह प्रावधान नहीं करता कि आयोग में सभी सदस्य अल्पसंख्यक समुदायों के होंगे। पीठ ने आगे स्पष्ट किया कि एकमात्र प्रावधान यह है कि अध्यक्ष सहित पांच सदस्य अल्पसंख्यक समुदायों से होंगे।

नक्सल रोधी ऑपरेशन में अहम भूमिका निभा रहा सीआरपीएफ का इंटेलिजेंस ग्रिड

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। नक्सल रोधी अभियान में सीआरपीएफ की आंतरिक इंटेलिजेंस ग्रिड की भूमिका अत्यंत प्रभावी साबित हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि हाल की कई मुठभेड़ों में मिली सफलता के पीछे सीआरपीएफ की इंटेलिजेंस ग्रिड द्वारा जुटाई गई सूचनाएं पूरी तरह सटीक थीं और एजेंसी से मिले इनपुट कार्रवाई के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण साबित हुए। एक अधिकारी ने बताया, मई में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुर्रुगुट्टालू पहाड़ी पर 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराने की घटना हो या जनवरी में गरियाबंद में हुई बड़ी मुठभेड़, दोनों ही मामलों में इंटेलिजेंस ग्रिड ने कार्रवाई से पहले सटीक सूचनाएं जुटाई थीं। इससे बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए और ढेर हुए कमांडरों की वजह से नक्सली संगठन हिल गए। खुफिया शाखा से जुड़े विशेषज्ञ दुनिया के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की खुफिया शाखा में करीब एक साल पहले सैकड़ों नए विशेषज्ञ कर्मियों को शामिल करने की मंजूरी दी गई थी। इन्हें जम्मू-कश्मीर, नक्सल प्रभावित इलाकों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों से सूचना और इनपुट जुटाने की जिम्मेदारी दी गई थी।

लेह हिंसा : सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत नेयह आदेश वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो की संशोधित याचिका को अदालत के रिकॉर्ड पर लेते हुए दिया है, जिसमें वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने के साथ ही, उन्हें रिहा करने की मांग की है। जस्टिस अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ ने केंद्र और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को संशोधित याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। इसके साथ ही, पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से भी कहा है कि यदि सरकार की ओर दाखिल होने वाले जवाब पर कुछ कहना चाहते हैं तो जवाबी हलफनामा दाखिल करें। मामले की अगली सुनवाई 24 नवंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अक्टूबर को, आंगमो की याचिका पर सुनवाई स्थगित करते हुए, उन्हें अपनी याचिका में संशोधन करने की अनुमति दे दी थी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने राफेल में उडान भरी कहा देश की रक्षा क्षमताओं पर गर्व

✷ वेबवार्ता. अंबाला ✷

तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को यहां वायु सेना के अंबाला स्टेशन से अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में उडान भरने के बाद इसे अविस्मरणीय अनुभव करार दिया और कहा कि उन्हें देश की रक्षा क्षमताओं पर गर्व है।

राष्ट्रपति मुर्मु इससे पहले सुखोई-30 लड़ाकू विमान में भी उडान भर चुकी हैं। दो अलग-अगल लड़ाकू विमानों में उडान भरने वाली वह देश की पहली राष्ट्रपति तथा लड़ाकू विमान में उडान भरने वाली दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं।

श्रीमती मुर्मु ने सात अप्रैल 2023 को वायु सेना के तेजपुर स्टेशन से सुखोई विमान में उडान भरी थी। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम भी सुखोई लड़ाकू विमान में उडान भर चुके हैं।

राष्ट्रपति ने राफेल में लगभग 30 मिनट तक उड़ान भरी और लगभग 200 किलोमीटर की दूरी तय की। इस विमान ने समुद्र तल से लगभग 15000 फुट की उंचाई पर और लगभग 700 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ान भरी। इसे 17 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी उडा रहे थे।

बाद में श्रीमती मुर्मु ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि यह उनके लिए कभी न भूलने वाला अनुभव है और उन्हें देश की रक्षा क्षमताओं पर गर्व है। उन्होंने कहा, ' भारतीय वायु सेना के राफेल विमान पर अपनी पहली उड़ान के लिए अंबाला वायु सेना स्टेशन आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

राफेल पर उड़ान मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है। शक्तिशाली राफेल विमान पर इस पहली उड़ान ने मुझमें राष्ट्र की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नई भावना जगा दी है। मैं इस उड़ान के सफल आयोजन के लिए भारतीय वायु सेना और अंबाला वायु सेना स्टेशन की पूरी टीम को बधाई देती हूं' श्रीमती मुर्मु की राफेल में उडान को ना री सशक्तिकरण के बड़े प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रपति ने उडान भरने से पहले वहां मौजूद लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति ने वायु सेना के पायलट और अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत भी की। हवाई अड्डे पहुंचने पर वायु सेना प्रमुख ने उनका स्वागत किया। बाद में राष्ट्रपति ने सलामी गारद का निरीक्षण किया।

राष्ट्रपति को विमान में उडान भरने से पहले विमान और उडान के बारे में विश्तार से जानकारी दी गयी थी और उनका ो या प क मे डि क ल चे क अ प किया गया। राष्ट्रपति का अं बा ला वायु सेना स्टेशन से राफेल में उडान भरने का एक महत्व यह भी है कि फ्रांस से खरीदे गये इस विमान को पहले स्क्वाड्रन के माध्यम से इसी हवाई अड्डे पर वायु सेना के बेड़े में शामिल किया गया था।

मोदी ने जापान की प्रधानमंत्री के साथ रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी पर चर्चा की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को जापान की नव नियुक्त प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ टेलीफोन पर बात की और दोनों नेताओं ने विशेष रूप से भारत-जापान रणनीतिक तथा वैश्विक साझेदारी को मजबूत बनाने के बारे में चर्चा की।

श्री मोदी ने प्रधानमंत्री ताकाइची को पदभार ग्रहण करने पर बधाई और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत-जापान के बीच मजबूत संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

बाद में श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा , ' जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। पदभार ग्रहण करने पर उन्हें बधाई दी और आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग और प्रतिभा गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने के अपने साझा दृष्टिकोण पर चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत-जापान के मजबूत संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक वक्तव्य जारी कर बताया कि दोनों नेताओं ने आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग और प्रतिभाओं के आवागमन पर विशेष ध्यान देते हुए भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को अधिक मजबूत बनाने के साझा दृष्टिकोण पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत-जापान के मजबूत संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

पाकिस्तान उच्चायोग ने 2100 से ज्यादा सिख तीर्थयात्रियों के वीजा जारी किए

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पाकिस्तान उच्चायोग ने गुरु नानक जयंती पर्व से पहले 2100 से अधिक सिख तीर्थयात्रियों के वीजा जारी किए हैं। ये जानकारी बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी गई।

पाकिस्तानी हाई कमीशन ने एक्स पोस्ट में कहा,"नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन ने भारत से सिख तीर्थयात्रियों को बाबा गुरु नानक देव जी के जन्म उत्सव में शामिल होने के लिए 2100 से ज्यादा वीजा जारी किए हैं, जो 04-13 नवंबर 2025 तक पाकिस्तान में होंगे।" पिछले साल दोनों देशों ने डिप्लोमैटिक चैनलों के जरिए श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर हुए समझौते को और पांच साल के लिए बढ़ाने पर सहमति जताई थी।

यह समझौता 24 अक्टूबर 2019 को भारत से तीर्थयात्रियों को करतारपुर साहिब कॉरिडोर के जरिए पाकिस्तान के नरोवाल में गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर जाने में आसानी के लिए किया गया था, और यह पांच साल के लिए मान्य था। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, इससे भारतीय तीर्थयात्रियों के पाकिस्तान में पवित्र गुरुद्वारे में जाने के लिए कॉरिडोर का बिना किसी रुकावट के इश्तेमाल सुनिश्चित हुआ। भारत ने पाकिस्तान से यह भी आग्रह किया था कि वह तीर्थयात्रियों पर कोई फीस या चार्ज न लगाए। तीर्थयात्री लगातार पाकिश्तान द्वारा प्रति तीर्थयात्री (प्रति यात्रा) पर लगाए जाने वाले 20 अमेरिकी डॉलर सर्विस चार्ज को हटाने की मांग कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2019 में करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन किया था, जब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में 550 भारतीय तीर्थयात्रियों का पहला जत्था सीमा पार पवित्र स्थान पर गया था। 1947 में बंटवारे के बाद भारत की सीमा पार से आने वाले लोगों के लिए यह पवित्र स्थान बंद कर दिया गया था। 1999 में मरम्मत और जीर्णोद्धार के बाद गुरुद्वारा तीर्थयात्रियों के लिए खोल दिया गया था, और तब से सिख जत्थे नियमित रूप से इस स्थान पर जाते रहे हैं। 22 अप्रैल को हुए भयानक पहलगाम आतंकी हमलों के बाद सुरक्षा हालात को देखते हुए करतारपुर साहिब कॉरिडोर की सेवाएं

निलंबित कर दी गई थीं। इस साल की शुरुआत में, गुरुद्वारा दरबार साहिब के गर्भगृह में बाढ़ का पानी घुसने के बाद पाकिश्तानी अधिकारियों की भारी आलोचना भी हुई थी।

इस बीच, कई रिपोर्टों में यह भी बताया गया है कि पाकिश्तान की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों, या "जत्थों" के देश में आने के दौरान भारत विरोधी बातें फैलाने की योजना बनाई है।

'खालसा वॉक्स' की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सोशल मीडिया पर चल रही बातों से पता चलता है कि 2 अगश्त को लाहौर के होटल गुलबर्ग में एक इंटर-एजेंसी मीटिंग हुई थी, जिसमें सिक्योरिटी एजेंसियों, इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) और पाकिश्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (पीएसजीपीसी) के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने गुरुद्वारों में भारत विरोधी बैनर और नारे लगाने का आइडिया दिया था, लेकिन ईटीपीबी और पीएसजीपीसी दोनों ने इस प्रशताव का जबरदश्त विरोध किया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईटीपीबी के एक अपर सचिव ने चेतावनी दी कि तीर्थयात्रा का राजनीतिकरण करने से भारत ऐसी यात्राओं को अनिश्चित काल के लिए सस्पेंड कर सकता है, जो पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे बोर्ड के लिए एक बड़ा झटका होगा।

इसमें बताया गया है कि सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया गया कि 8 मई को करतारपुर कॉरिडोर बंद होने के बाद से ईटीपीबी को हर महीने लगभग 70 मिलियन पाकिश्तानी रुपये का नुकसान हो रहा है, और दो बड़ी सालाना सिख तीर्थयात्राएं रद्द होने से यह नुकसान और भी बढ़ गया है।

प. बं. आत्महत्या पर TMC-भाजपा आमने-सामने

✷ वेबवार्ता. कोलकाता ✷

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक व्यक्ति के कथित तौर पर एनआरसी के डर से आत्महत्या को लेकर राजनीति तेज हो गई है। सत्ताधारी टीएमसी और भाजपा ने एक-दूसरे पर हमला बोला है।

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी बुधवार को पानीहाटी में मृतक प्रदीप कर के परिवार से मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदीप कर की मौत एनआरसी और एसआईआर को लेकर चिंता के कारण हुई। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि इस मौत का एनआरसी से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदीप कर का नाम 2002 की मतदाता सूची में था और उन्होंने उस वर्ष पानीहाटी निर्वाचन क्षेत्र में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान किया था। टीएमसी राजनीतिक लाभ के लिए उनकी दुखद मौत पर झूठ फैला रही है।

57 वर्षीय प्रदीप कर की मंगलवार को आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के अनुसार, प्रदीप कर ने सुसाइड नोट में एनआरसी से परेशान होने का दावा किया था। अब एसआईआर के डर से आत्महत्या की कोशिश का दावा टीएमसी ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में एक 63 वर्षीय व्यक्ति ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत उत्पीड़न के डर से आत्महत्या का प्रयास किया। पार्टी ने भाजपा और चुनाव आयोग (ईसी) पर राज्य भर में दहशत फैलाने का आरोप लगाया।

बारिश की भेंट चढ़ा भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबला

✷ वेबवार्ता. कैनबरा ✷

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार को पहला टी-20 मुकाबला बारिश के कारण रद्द घोषित कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फ़ैसला किया और तेज शुरुआत के प्रयास में अभिषेक शर्मा नेथन एलिस का शिकार बने। हालांकि फिर बारिश आई और खेल प्रति टीम 18 ओवर का हो गया।

खेल जब दोबारा शुरू हुआ तब सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी शुरू की। दोनों बल्लेबाज अपने-अपने अर्धशतक की ओर बढ़ ही रहे थे कि तभी एक बार फिर बारिश आ गई और अंततः मैच को रद्द करना पड़ा।

टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी भारतीय जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। इसी दौरान चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर नेथन एलिस ने अभिषेक शर्मा को टिम डेविड के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया।

अभिषेक शर्मा ने 14 गेंदों में चार चौकों की मदद से 19 रन बनाये।पांचवें ओवर के समाप्त होने के बाद बारिश शुरु हो गई और खेल का रोकना पड़ा। उस समय भारत ने एक विकेट पर 43 रन बना लिये थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी विस्फोटक बल्लेबाजी का क्रम जारी रखा।

10वें ओवर में दूसरी बार बारिश के खलल के समय तक भारत ने 9.4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बना लिये थे। इस दौरान सूर्य कुमार यादव 24 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 और शुभमन गिल 20 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 37 रन बना चुके थे।

सूर्यकुमार यादव दो छक्कों के साथ रोहित शर्मा के बाद 150 छक्के पूरे करने वाले दूसरे भारतीय और दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गये। उन्होंने नेथन एलिस के ओवर में छक्का लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। बार-बार हो रही बारिश को देखते हुए अम्पायरों ने मैदान का निरीक्षण करने के बाद मैच को रद्द घोषित कर दिया।

प्याज के कारण निकले किसानों के आंसू

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लागत के मुकाबले प्याज की मिल रही कम कीमत से देश भर के किसान परेशान हैं। कई किसान संगठनों ने इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। कई राज्यों के किसान फसल को सड़क पर फेंक कर विरोध दर्ज करा रहे हैं।

राजस्थान और महाराष्ट्र के कई शहरों में पिछले दिनों किसानों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। स्थानीय मंडियों में प्याज का भाव चार से छह रुपये प्रति किलो तक गिर चुका है, जबकि इसे उगाने में किसानों को औसतन नौ से 11 रुपये प्रति किलो तक की लागत आती है।

इस समय नासिक की मंडी में लगभग 1000 प्रति क्विंटल के हिसाब से थोक प्याज का भाव है। किसान संगठनों का कहना है कि इसी समय पिछले साल प्याज का थोक भाव लगभग 2000 प्रति क्विंटल था तो उम्मीद थी कि इस साल भी अच्छे दाम मिलेंगे। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि प्याज जैसी फसलों के लिए मूल्य स्थिरीकरण नीति और भंडारण सुविधाओं का अभाव किसानों की सबसे बड़ी समस्या है। यदि सरकार समय पर हश्तक्षेप नहीं करती है तो आने वाले समय में किसान फसल बोने से भी कतराने लगेंगे।

व्यापारी अभी भी कर रहे कमाई : इसी समय खुदरा बाजार में उपभोक्ता अभी भी 20 रुपये किलो प्याज खरीद रहे हैं, जिससे यह साफ झलकता है कि बीच के व्यापारी और बिचौलिये अब भी लाभ कमा रहे हैं, जबकि किसान घाटे में हैं। किसानों से फसल खरीदकर दोगुने दामों में बेच रहे हैं।

किसानों को नुकसान का कारण 1- निर्यात में कमी : प्याज की कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण 2023 से निर्यात पर प्रतिबंधों और पाबंदियों का जारी रहना है। देश में सरकार ने प्याज कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए कदम उठाए।

CBI ने IPS भुल्लर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित चल रहे पंजाब पुलिस के उप महानिरीक्षक हरचरण सिंह भुल्लर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भुल्लर के खिलाफ यह मामला भ्रष्टचार निरोधक कानून के तहत दर्ज किया गया है।

हरचरण भुल्लर को पांच लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद भुल्लर के ठिकानों पर तलाशी अभियान में साढे सात करोड़ रुपये की नगदी बरामद की गयी थी। भुल्लर को कबाड़ी का काम करने वाले एक व्यक्ति की शिकायत पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। अभी भुल्लर शुक्रवार तक न्यायिक हिरासत में है।

'अमार सोनार बांग्ला', कांग्रेस नेता ने गाया बांग्लादेशी राष्ट्रगान; ऐक्शन की मांग

गुवाहटी, एजेंसी।
असम कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बिधु भूषण दास पर एक कार्यक्रम के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रगान 'अमार सोनार बांग्ला, आमी तोमाय भालोबाशी' गाने का आरोप लगा है। इससे असम के बराक घाटी क्षेत्र में राजनीतिक विवाद भड़क गया। यह घटना सोमवार को कांग्रेस सेवा दल की बैठक के दौरान श्रीभूमि जिले के इंदिरा भवन में हुई।

दास भंगा (श्रीभूमि) के निवासी हैं और सेवा दल की जिला इकाई के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने कथित तौर पर अपने संबोधन की शुरुआत रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित इस गीत से की। यह वही गीत है जो बाद में बांग्लादेश का राष्ट्रगान बना। टैगोर ने इसे 1905 में बंगाल के पहले विभाजन के दौरान लिखा था।

घटना के सामने आने के बाद मंगलवार को राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। राज्य के मंत्री व भाजपा नेता कृष्णेंदु पॉल ने कहा, मुझे रिपोर्ट मिली है कि कांग्रेस के एक नेता ने

बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाया। कांग्रेस में कुछ भी संभव है- उन्हें यह भी नहीं पता कि कब और क्या गाना चाहिए। मैं वीडियो देखकर पुलिस से जांच की मांग करूंगा और उचित कार्रवाई करने का अनुरोध करूंगा। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस विवाद को राजनीतिक रूप से प्रेरित करार दिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, करीमगंज (श्रीभूमि) जिला कांग्रेस समिति के मीडिया विभाग के अध्यक्ष शहादत अहमद चौधरी (स्वपन) ने दास का बचाव करते हुए कहा, बिधु भूषण दास ने बांग्लादेश का राष्ट्रगान नहीं, बल्कि रवींद्र संगीत प्रस्तुत किया था। 'अमार सोनार बांग्ला' एक रचना है जिसे नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा था। दास ने भाषण शुरू करने से पहले कहा था कि वे एक रवींद्र संगीत से शुरुआत करेंगे। वे एक सम्मानित नेता हैं, जो हर स्वतंत्रता दिवस पर इंदिरा भवन में भारतीय तिरंगा फहराते हैं। उन्हें बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाने का आरोप लगाना पूरी तरह बेबुनियाद है।

बराक घाटी क्षेत्र में बंगाली भाषी आबादी का बड़ा हिस्सा रहता है। यह क्षेत्र अक्सर भाषा और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में इस विवाद ने चुनावी माहौल में नए राजनीतिक समीकरणों को हवा दे दी है। कांग्रेस ने फिलहाल इसे विपक्ष द्वारा रचा गया मामूली मुद्दे को बड़ा बनाने का प्रयास बताया है, जबकि भाजपा इस पर पुलिस जांच की मांग पर अड़ी है। राज्य पुलिस को अब तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, लेकिन अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वीडियो की जांच की जा सकती है यदि कोई शिकायत दर्ज होती है।

संक्षिप्त समाचार

दो शिक्षिकाएं रात में धरने पर बैठीं तो ऐक्शन में आया विभाग, जारी हुई सैलरी

आगरा, एजेंसी। यूपी के आगरा में आठ महीने के बच्चे को लेकर धरने पर बैठी शिक्षिकाओं के मामले में मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) ऐश्वर्या लक्ष्मी ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से शिक्षिकाओं का वेतन जारी करने के निर्देश दिए। अपने मासूम शिशु के साथ धरना देने वाली एक शिक्षिका का वेतन जारी भी कर दिया गया है। एडी बेसिक ऐश्वर्या लक्ष्मी ने स्पष्ट कहा है कि नियमावली में 'नो वर्क, नो पे' का प्रावधान है, पर अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने का अधिकार किसी को नहीं है। आगरा में ऐसी प्रथा पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। प्राथमिक विद्यालय बड़ापुरा की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सुधा उपाध्याय और पूर्व माध्यमिक विद्यालय पडुआपुरा कंपोजिट की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका रामधारा सोमवार दोपहर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से मिलने पहुंचीं थी। लेकिन अनसुनी होने का आरोप लगाते हुए पर आठ महीने के बच्चे के साथ धरने पर बैठ गईं। राष्ट्रवादी शिक्षक महासंघ के जिलाध्यक्ष कीर्तिपाल सिंह टाइगर मौके पर पहुंचे और आंदोलन की घोषणा की। बीएसए ने फोन पर वेतन जारी करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद रात 10:30 बजे शिक्षिकाएं धरने से उठीं। अगले दिन 'हिन्दुस्तान' में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक ऐश्वर्या लक्ष्मी ने मामले का संज्ञान लिया और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने तुरंत लेखाधिकारी को निर्देशित कर सुधा उपाध्याय का वेतन जारी करा दिया। वहीं, रामधारा का पत्र अभी जारी नहीं हुआ है। एडी बेसिक ने अधीनस्थ अधिकारियों को चेतावनी दी कि वे आगरा में वेतन रोकने की नई प्रथा न शुरू करें। शिक्षक-शिक्षिकाओं के अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकना नियमविरुद्ध है। शासन स्तर से केवल 'नो वर्क, नो पे' का प्रावधान है, जिसमें अनुपस्थित अधिकारी के उसी दिन का वेतन काटा जाता है। उन्होंने निर्देश दिया कि अग्रिम आदेशों तक रोके गए सभी वेतन मामलों का तत्काल निस्तारण किया जाए।

दो शिक्षिकाएं रात में धरने पर बैठीं तो ऐक्शन में आया विभाग, जारी हुई सैलरी

आगरा, एजेंसी। यूपी के आगरा में आठ महीने के बच्चे को लेकर धरने पर बैठी शिक्षिकाओं के मामले में मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) ऐश्वर्या लक्ष्मी ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से शिक्षिकाओं का वेतन जारी करने के निर्देश दिए। अपने मासूम शिशु के साथ धरना देने वाली एक शिक्षिका का वेतन जारी भी कर दिया गया है। एडी बेसिक ऐश्वर्या लक्ष्मी ने स्पष्ट कहा है कि नियमावली में 'नो वर्क, नो पे' का प्रावधान है, पर अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने का अधिकार किसी को नहीं है। आगरा में ऐसी प्रथा पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। प्राथमिक विद्यालय बड़ापुरा की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सुधा उपाध्याय और पूर्व माध्यमिक विद्यालय पडुआपुरा कंपोजिट की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका रामधारा सोमवार दोपहर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से मिलने पहुंचीं थी। लेकिन अनसुनी होने का आरोप लगाते हुए पर आठ महीने के बच्चे के साथ धरने पर बैठ गईं। राष्ट्रवादी शिक्षक महासंघ के जिलाध्यक्ष कीर्तिपाल सिंह टाइगर मौके पर पहुंचे और आंदोलन की घोषणा की। बीएसए ने फोन पर वेतन जारी करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद रात 10:30 बजे शिक्षिकाएं धरने से उठीं।

घोषणापत्र में तेजस्वी छाए, राहुल कोने में सिमटे, प्रियंका भी गायब

बिहार में फीका गांधी फैक्टर?

पटना, एजेंसी।
बिहार चुनाव का माहौल गर्म है और महागठबंधन ने अपने चुनावी वादों की झोली खोल दी है। राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने मंगलवार को पटना में गठबंधन का घोषणा पत्र 'बिहार का तेजस्वी प्रण' जारी किया। कार्यक्रम में वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी, कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा, और भाकपा (माले) के नेता दीपंकर भट्टाचार्य मौजूद थे। मगर सबकी नजरें उस शख्स को खोज रही थीं जो इस गठबंधन का बड़ा चेहरा माना जाता है। जी हां! वो कोई और नहीं बल्कि राहुल गांधी हैं। राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी वाड्रा भी बिहार चुनाव से दूरी बनाई हुई हैं।

बहरहाल घोषणापत्र की कवर पेज पर भले ही राहुल गांधी की तस्वीर चमक रही थी, लेकिन मंच पर उनकी अनुपस्थिति ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जरूर निराश किया होगा। ऐसे में पार्टी भीतर सवाल उठने लाजमी हैं कि क्या राहुल गांधी नाराज हैं? या फिर रणनीतिक चुप्पी साध रखी है?

दो महीने से बिहार से गायब राहुल गांधी

राहुल गांधी की बिहार से दूरी अब चर्चा का बड़ा मुद्दा बन चुकी है। आखिरी बार 1 सितंबर को 'वोट अधिकार यात्रा' के समापन पर तेजस्वी यादव के साथ दिखे थे। इसके बाद से लगभग दो महीने बीत गए, लेकिन न तो उन्होंने कोई रैली की, न रोड शो और न ही किसी चुनावी कार्यक्रम में भाग लिया।

इतना ही नहीं, जब महागठबंधन सीट बंटवारे को लेकर उलझा हुआ था और मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा पर तनातनी चल रही थी, तब भी राहुल गांधी का नामोनिशान नहीं था। उनकी जगह पूर्व राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दिल्ली से पटना भेजा गया, जिन्होंने लालू यादव, तेजस्वी और अन्य सहयोगियों से मुलाकात कर मतभेद सुलझाए। उसी समझौते के बाद तेजस्वी यादव को सीएम और मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम उम्मीदवार घोषित किया गया।

टाइम्स नाउ की रिपोर्ट की मानें तो कांग्रेस के भीतर राहुल की लंबी गैरमौजूदगी को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। राज्य कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने माना, वोट अधिकार यात्रा ने पार्टी में जोश भरा था, पर राहुल जी की गैरमौजूदगी से जोश ठंडा पड़ने लगा है। राहुल गांधी हाल ही में दिल्ली के ऐतिहासिक घंटेवाला मिठाई की दुकान में 'इमरती' बनाते हुए देखे गए, और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें खूब वायरल हुईं। लेकिन बिहार कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के लिए यह मीठी तस्वीर उनके राजनीतिक खालीपन को नहीं भर सकी।

कई राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राहुल गांधी का यह दूरी बनाना महज संयोग नहीं है। कांग्रेस और राजद के बीच सीट शेयरिंग और तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित करने को लेकर मतभेद थे।

सड़क दुर्घटना में साईं दर्शन को जा रहे तीन श्रद्धालुओं की मौके पर मौत

नासिक, एजेंसी।
शिरडी साईं बाबा के दर्शन के लिए आ रहे साईं भक्तों के साथ एक दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हो गए। नासिक के येओला तालुका के एरंडगांव रायते शिवरात इलाके में शिरडी साईं बाबा के दर्शन से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार नियंत्रण खो देने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत इलाज के लिए नासिक ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही एक और घायल ने दम तोड़ दिया। बाकी चार घायलों का इलाज नासिक के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

स्थानीय पुलिस के अनुसार उनकी फॉर्च्यूनर गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी है। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे की जानकारी एकत्रित की जा रही है।

बता दें कि 18 अक्टूबर को महाराष्ट्र के वाशिम जिले में भी एक भीषण सड़क हादसा हुआ था। समृद्धी महामार्ग पर जऊलका पुलिस स्टेशन के अंतर्गत डव्हा के पास इस दुर्घटना में म्यांमार के तीन नागरिकों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

हादसे का शिकार हुई इनोवा कार मुंबई से ओडिशा के जगन्नाथ पुरी दर्शन के लिए जा रही थी। कार में सवार सभी लोग म्यांमार के निवासी थे। रात के समय तेज रफ्तार के कारण चालक का कार पर नियंत्रण छूट गया था और कार सीधे सड़क के डिवाइडर से टकरा गई थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही को हादसे का कारण माना गया था।

आजमगढ़ में साइबर ठगी करने वाले चार आरोपी अरेस्ट, ऑनलाइन प्रोडक्ट की सेल और मार्केट वैल्यू बढ़ाने के लूटा

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ में मसाइबर पुलिस ने ऑनलाइन प्रोडक्ट की सेल और मार्केट वैल्यू बढ़ाने के नाम पर प्रोडक्ट को बूस्ट करने के लिए 13 लाख रुपए से अधिक की ठगी के मामले में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से बड़ी मात्रा में फर्जी बैंक के दस्तावेज एटीएम और मोबाइल बरामद किए गए हैं। इस मामले का खुलासा करते हुए एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि इस मामले में 18 सितंबर को पीड़ित भूपेंद्र यादव ने शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि मेरे बेटे आर्यन यादव के मोबाइल नंबर को एक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया। डब्ल्यूओओ कामर्स नामक कंपनी के लिए कार्य करते हैं। इस कंपनी पर प्रोडक्ट की सेल और मार्केट वैल्यू बढ़ाने के लिए प्रोडक्ट को बूस्ट करने के नाम पर कार्य कराया जाता है।

पत्नी को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर करना क्रूरता केरल हाईकोर्ट ने दी तलाक की अनुमति

कोच्चि, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने कहा कि पति का पत्नी को नौकरी छोड़ने के लिए कहना क्रूरता है। इस टिप्पणी के साथ अदालत ने महिला को तलाक की अनुमति दे दी। महिला का पति उस पर शक करता था और उसकी आवाजाही पर नजर रखता था। वह उसे नौकरी से इस्तीफा देने के लिए मजबूर भी करता था। जस्टिस देवन रामचंद्रन और जस्टिस एमबी स्नेहलता की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा, जीवनसाथी पर शक करना रिश्ते की नींव को खोखला करता है। जहां पति या पत्नी एक दूसरे के आने जाने पर शक के आधार पर निगरानी रखें वहां विश्वास, सम्मान और भावनात्मक सुरक्षा की नींव टिक नहीं पाती। पीठ ने कहा, इस मामले में पति का आचरण तलाक अधिनियम, 1869 की धारा 10(1)(एक्स) के तहत गंभीर मानसिक क्रूरता के सामान है। यह पति या पत्नी को तलाक की अनुमति देने के लिए काफी है। पीठ ने कहा, एक शक्की पति, जो आदतन पत्नी की वफादारी पर शक करता है, उसके आत्म-सम्मान और मानसिक शांति को खत्म कर देता है। आपसी विश्वास ही विवाह की आत्मा है, जब इसकी जगह शक आ जाता है, तो रिश्ता अपना सारा अर्थ खो देता है। पीठ ने कहा, जहां पति अपनी पत्नी पर शक करता है, उसकी गतिविधियों पर नजर रखता है, उसकी ईमानदारी पर सवाल उठाता है और उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता में दखल देता है, तो इससे पत्नी को मानसिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। महिला ने तलाक के लिए पारिवारिक न्यायालय में अपील की थी। लेकिन सबूतों के अभाव में क्रूरता के आधार पर तलाक की उसकी याचिका खारिज कर दी गई थी। बाद में महिला ने हाईकोर्ट में अपील की। दोनों की शादी 2013 में हुई थी।

किसानों के हित में योगी सरकार का बड़ा फैसला, गन्ना मूल्य में 30 रुपए प्रति कुंतल की वृद्धि

लखनउ, एजेंसी।
यूपी में योगी सरकार ने गन्ना किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ने का समर्थन मूल्य 30 रुपए प्रति कुन्तल बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह अब तक की ऐतिहासिक वृद्धि बताई जा रही है। सरकार द्वारा घोषित नए दरों के अनुसार, अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 रुपए प्रति कुन्तल और सामान्य प्रजाति का 390 रुपए प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। इस वृद्धि से प्रदेश के किसानों को लगभग 3,000 रुपए करोड़ का अतिरिक्त भुगतान होगा।

आपको बता दें कि वर्ष 2017 से योगी सरकार ने अब

तक गन्ने के समर्थन मूल्य में चार बार वृद्धि की है। इस अवधि में गन्ना किसानों को कुल 2,90,225 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड भुगतान किया गया है, जबकि साल 2007 से 2017 तक केवल 1,47,346 करोड़ रुपए का भुगतान हुआ था। यानी पिछली सरकारों की तुलना में योगी सरकार ने 1,42,879 करोड़ रुपए अधिक भुगतान किया है।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 122 चीनी मिले संचालित की जा रही हैं, जिससे उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। पिछले आठ सालों में 4 नई चीनी मिलें स्थापित हुईं, 6 बंद मिलें पुनः शुरू की गईं और 42 मिलों का क्षमता विस्तार हुआ है। उद्योग में अब तक 12,000 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है।

बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई: स्मार्ट गन्ना किसान प्रणाली के माध्यम से गन्ना पर्ची की व्यवस्था पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खाते में पहुंच रहा है। एथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। राज्य में उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर हो गया है, जबकि आसवनियों की संख्या 61 से बढ़कर 97 हो चुकी है।

एसआईआर पर अभिषेक बनर्जी ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

कोलकाता, एजेंसी।
तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा को लेकर मंगलवार को भाजपा और निर्वाचन आयोग पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कवायद वास्तविक मतदाताओं को बाहर करने और 2026 के राज्य चुनावों से पहले राजनीतिक संतुलन को बिगाड़ने के लिए की गई है। अभिषेक ने इस पहल को साइलेंट इनविजिबल रिगिंग (एसआईआर) बताते हुए दावा किया कि इसे मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर का आदेश केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा दिया गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा के सहयोगी संगठन, निर्वाचन आयोग ने कल एसआईआर की घोषणा की है। यह प्रक्रिया (नाम) शामिल करने की नहीं, बल्कि बाहर करने के बारे में है। डायमंड हार्बर के सांसद ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण के

समय पर कटाक्ष करते हुए एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि केवल डेढ़ साल पहले ही लोकसभा चुनाव हुए थे। अगर अब मतदाता सूची में विसंगतियां हैं, तो लोकसभा भंग कर नए चुनाव कराए जाने चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस में दूसरे नंबर की हैसियत रखने वाले बनर्जी ने इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि बांग्लादेश से घुसपैठ और रोहिंग्याओं के बंगाल में प्रवेश के कारण संशोधन की जरूरत पड़ी। उन्होंने पूछा कि पांच पूर्वोत्तर राज्य बांग्लादेश और म्यांमा के साथ सीमा साझा करते हैं। तो फिर बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की मौजूदगी का हवाला देते हुए केवल पश्चिम बंगाल में ही एसआईआर की घोषणा क्यों की जा रही है?

सत्यापन कार्य के लिए निर्वाचन आयोग की समयसीमा को चुनौती देते हुए बनर्जी ने कहा कि 2002 में, एसआईआर बंगाल में दो साल की अवधि में किया गया था। निर्वाचन आयोग इस विशाल कार्य को एक या दो महीने में कैसे पूरा कर लेगा? उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य प्रशासन पर नियंत्रण करना चाहता है ताकि सरकार काम न कर सके।

टीएमसी नेता ने मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में नागरिकता के मुद्दे को लेकर कथित तौर पर दहशत के कारण एक व्यक्ति की मौत के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि एनआरसी के खतरे को लेकर चिंता के कारण पनिहाटी निवासी प्रदीप कर की मृत्यु हो गई और इसके लिए अमित शाह और ज्ञानेश कुमार जिम्मेदार हैं। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने एनआरसी और एसआईआर को लेकर चिंता को वजह बताया है। उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक भी पात्र मतदाता का नाम हटाया गया तो बंगाल के एक लाख लोग दिल्ली में निर्वाचन आयोग कार्यालय के बाहर धरना देंगे। तृणमूल नेता ने जोर देकर कहा कि एसआईआर के बावजूद अगले साल विधानसभा चुनावों में पार्टी की सीटों की संख्या बढ़ेगी।

नागपुर में सड़कों पर उतरे किसान, कर्ज माफी को लेकर बंद किया नेशनल हाइवे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में कर्जमाफी की मांग को लेकर जारी नागपुर में किसानों का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी किसान पूर्व मंत्री और प्रहार पार्टी के नेता बच्चू कडु के नेतृत्व में आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 44 को बंद किया हुआ है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग नागपुर को हैदराबाद से जोड़ता है। आज प्रदर्शनकारी किसानों ने ट्रेनें रोकने की धमकी दी है। प्रहार पार्टी के नेता बच्चू कडु ने राज्य सरकार पर निशाना साधा और किसानों की कर्ज माफी करने की मांग की। बच्चू कडु ने कहा कि आज हम 12 बजे के बाद ट्रेनें रोकेंगे। हमारे किसान कर्ज में डूब रहे हैं। अगर राज्य सरकार के पास किसानों का कर्ज माफ करने के लिए पैसे नहीं हैं तो केंद्र सरकार को इसमें मदद करनी चाहिए। मंगलवार को हजारों की संख्या में किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 को बंद कर दिया। किसानों का आरोप है कि बार-बार वादा करने के बावजूद सरकार किसानों की कर्जमाफी नहीं कर रही है। साथ ही सूखे की समस्या से जूझ रहे किसानों को भी सरकार ने पर्याप्त मदद नहीं की है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पूर्व मंत्री बच्चू कडु ने कहा कि किसानों का कर्ज माफ करने की मांग थी। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की फसल के छह हजार रुपये दिए जाएंगे और हर फसल पर 20 प्रतिशत बोनस दिया जाएगा। मध्य प्रदेश में इस समय भावांतर योजना चल रही है, लेकिन यहां ऐसी कोई योजना नहीं है। महाराष्ट्र में एक भी फसल को पूरा दाम नहीं मिल रहा है और मुख्यमंत्री के पास किसानों से मिलने का समय ही नहीं है। कर्जमाफी की मांग भी है।

कार-ऑटो में टक्कर, चालक घायल

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। बिसरख कोतवाली क्षेत्र में किसान चौक के पास एक कार ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। शिकायतकर्ता सुरजन सिंह निवासी धूम मानिकपुर का आरोप है कि उनका बेटा ऑटो चलाता है। 26 अक्तूबर को वो ग्रेनो वेस्ट में गौड़ सौंदर्यम सोसाइटी से किसान चौक की तरफ ऑटो लेकर जा रहा था। तभी सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो क्षतिग्रस्त हो गया। जबकि घायल अवस्था में बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके पैरों की हड्डी टूट गई है। कार चालक का नाम उपेंद्र गुप्ता बताया है। बिसरख कोतवाली के प्रभारी का कहना है कि कार नंबर और चालक के नाम पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

लाठी-डंडों से मारपीट में महिला समेत तीन घायल, रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दादरी इलाके की जारचा कोतवाली क्षेत्र के दादूपुर खटाना गांव में घर के बाहर थूकने व गाली गलौज का विरोध करने पर महिला समेत परिवार के तीन लोगों के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। कोतवाली प्रभारी सुमनेश कुमार ने बताया कि दादूपुर खटाना गांव में करन परिवार के साथ रहते हैं। 27 अक्टूबर की शाम को उनका पड़ोसी बंटी दरवाजे पर बार-बार थूक रहा था। जिससे मना किया गया। मना करने पर वह गाली-गलौज कर चला गया। कुछ देर बाद बंटी, अभिषेक, उमेश और यशपाल लाठी-डंडा लेकर आ गए। दरवाजे पर खड़ा होकर शोर मचाकर गाली-गलौज करने लगे। आवाज सुनकर करन घर के बाहर निकला तो मारपीट करने लगे। आवाज सुनकर चाची ममता देवी एवं उनके पिता रमेश भी आ गए। उनके साथ भी लाठी-डंडों से मारपीट कर दी । लाठी डंडों से परिवार के तीनों लोग घायल हो गए। ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में रमेश की हालत गंभीर होने के चलते दिल्ली के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। मामले में घायल करन ने चारों आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

बाबा रहीमुद्दीन शाह रहमतुल्ला आले की जारत पर तीन दिवसीय सालाना उर्स

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। बाबा रहीमुद्दीन शाह रहमतुल्ला आले की जारत पर तीन दिवसीय सालाना उर्स का उद्घाटन सभासद इजलाल अहमद ने फीता काट कर किया। तीन दिन चलने वाले उर्स मे बाहर से आए कव्वाल कव्वालिया पेश करेगे। प्रतिवर्ष की भाती इस वर्ष भी बाबा रहीमुद्दीन शाह रहमतुल्ला आले की जारत पर लगने वाले तीन दिवसीय सालाना उर्स का उद्घाटन डॉ जैद बिन हफ़ीज़ व वार्ड सभासद शेख इजलाल अहमद ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर डॉ जैद बिन हफ़ीज़ ने कहा कि उर्स हमारे बुजुर्गों की याद ताजा करते हुए सांप्रदायिक सौहार्द व आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं। कार्यक्रम की शमा रोशन करने के उपरांत सभासद शेख इजलाल अहमद ने कहा कि कव्वाली प्राचीन संगीत की वह विधा है जिसमें गंगा जमुनी तहजीब की साक्षात झलक देखने को मिलती है। इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष छुट्टन ठेकेदार, मोहम्मद हनीफ, बदर अहमद, बाबा फरीद, हिफजुर्रहमान, राकेश सैनी, सिम्भू सैनी, शमशाद उर्फ शम्मा, फरमान अहमद, आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पुलिस की तत्परता से छह वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। नगर में छह वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को देर रात गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद परिजनों ने थाना पुलिस में तहरीर दी थी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।थाना अध्यक्ष ने बताया कि पुलिस टीम ने सूचना मिलते ही तत्परता दिखाते हुए छापेमारी की। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। थाना पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि इस घटना से जुड़ी कोई अफवाह न फैलाएँ और पीड़िता की पहचान साझा न करें।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। क्षेत्रवासियों ने पुलिस की इस तेज़ और संवेदनशील कार्यवाही की सराहना की है। लोगों का कहना है कि ऐसी कार्रवाई से समाज में भरोसा बढ़ता है और अपराधियों में कानून का भय कायम होता है।

गोवा की सैर बनी रहस्य, लापता युवक की अदालत के आदेश पर केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। बादशाह नगर कॉलोनी से चार माह पहले गोवा घूमने गया युवक वापस नहीं लौटा। युवक के भाई ने न्यायालय के आदेश पर नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दादरी कोतवाली क्षेत्र के नगर स्थित बादशाह नगर कॉलोनी में इरफान परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने न्यायालय के आदेश पर दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि कस्बे के ही मोहम्मद आसिफ व उनका छोटा भाई चांद 5 जून को गोवा घूमने जाने के लिए कह कर घर से गए थे। कुछ दिन बाद आसिफ अपने घर वापस लौट आया। और चांद आज तक भी वापस नहीं लौटा है। इस मामले में जब चांद के बारे में मोहम्मद आसिफ से जानकारी की गई तो वह कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहा है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर महिला समेत दो से 1 करोड़ ठगे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर महिला समेत दो लोगों से एक करोड़ से ज्यादा की रकम ठग ली। जालसाजों ने ऑनलाइन मुनाफा दर्शाकर पीड़ितों को जाल में फंसाया और फिर मोटी रकम ट्रांसफर करा ली। पीड़ितों की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामलों की जांच शुरू कर दी है। कौशांबी स्थित सुपरटेक रमेश्वर ऑर्किड्स सोसाइटी में रहने वाली एन.वी. गीथा ने साइबर थाने में दी शिकायत में बताया कि वह शेयर मार्केट के बारे में ऑवलाइन जानकारी जुटा रही थीं। इसी दौरान फेसबुक पर उन्हें एक व्हॉट्सऐप ग्रुप का लिंक मिला।

इसके बाद नेहा नैय्यर नाम की महिला ने खुद को नॉम्यूरक्स नाम की शेयर ट्रेडिंग कंपनी से बताते हुए उन्हें व्हॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ दिया। इसके बाद उसने नॉम्यूरक्स नाम की मोबाइल ऐप के जरिये एक हजार फीसदी मुनाफे के प्लान में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। एन.वी. गीथा के अनुसार कंपनी की ऐप और वेबसाइट पर सेबी का रजिस्ट्रेशन नंबर और मुंबई का पता दर्शाया गया था, जिसे उन्होंने असली समझ लिया। आरोप है कि जालसाजों ने निवेश के नाम पर कई खातों के जरिये पैसे जमा कराए। पीड़िता का कहना है कि उन्होंने 26 अगश्त 2025 से 19 सितंबर 2025 के उन्होंने अपने तीन बैंक खातों से कुल 88.29 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

जालसाजों ने शुरू में विश्वास दिलाने के लिए उन्हें 20 हजार रुपये वापस भी भेजे। इसके बाद जब उन्होंने रिफंड मांगा तो ऐप बंद हो गया और सभी संपर्क टूट गए। जांच करने पर कंपनी की ऐप के द्वारा उपलब्ध कराए गए सेबी प्रमाण-पत्र और बैंक अनुमोदन फर्जी पाए गए।

घटना के संबंध में पीड़िता ने 28 अक्तूबर को साइबर थाने में केस दर्ज कराया। वसुंधरा सेक्टर-एक के जागृति विहार में रहने वाले अरूण कुमार शर्मा का कहना है कि 20 जुलाई 2025 को मुस्कान अग्रवाल नाम की महिला ने उनसे व्हॉट्सऐप पर संपर्क किया। उसने खुद को एक ट्रेडिंग ऐप में कार्यरत बताकर रोजाना 10 से 20 प्रतिशत मुनाफा दिलवाने का झांसा दिया। महिला ने एक लिंक के जरिए उन्हें एक ऐप डाउनलोड करवाया और उस पर निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

अरूण कुमार शर्मा के मुताबिक उन्होंने विश्वास करते हुए बीती 20 जुलाई से 29 सितंबर के बीच विभिन्न बैंक खातों में कई ट्रांजेक्शन के माध्यम से 17.79 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने जब उन्होंने मुनाफे सहित रकम वापस मांगी तो जालसाजों ने लौटाने से मना करते हुए संपर्क तोड़ लिया। ठगी गई राशि कई खातों में भेजी गई। ठगी के संबंध में पीड़ित ने 28 अक्तूबर को साइबर थाने में केस दर्ज कराया।

पुलिस अधिकारी क्राइम पीयूष सिंह का कहना है कि दोनों पीड़ितों की शिकायत के आधार पर साइबर थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के आधार पर जालसाजों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

करोड़ों के पुराने नोटों के मामले का जल्द खुलासा होगा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में पुराने नोटों की करेंसी मिलने के मामले में पुलिस मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी है। आशंका जताई जा रही है कि इस गिरोह के तार कई प्रदेशों में भी फैले हो सकते हैं। गिरोह के सदस्य और सरगना की तलाश में पुलिस की कई टीमों को रवाना किया गया है।

शालीमार गार्डन क्षेत्र में 28 अक्तूबर को पुलिस ने सूचना के आधार पर एक मकान से लगभग पौने तीन करोड़ रुपये के पुराने नकली नोट बरामद किए थे। मौके से पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में भी लिया था।

नोटों को गिनने के लिए मशीन भी मंगवाई गई थी। इतनी संख्या में पुराने नोट कहां से आए और उनका क्या किया जाना था, पुलिस इस बारे में पूछताछ कर रही है।

सूत्र बताते हैं कि नोट कई राज्यों से जमा किए गए हो सकते हैं। एक खास प्रक्रिया के तहत नोटों को बदलने का काम अभी भी जारी है।

इसलिए माना जा रहा है कि नोटों को आरबीआई से बदलने के इरादे से इन नोटों को जमा किया गया था। गिरोह के सरगना और अन्य सदस्यों की तलाश के लिए पुलिस की टीमों को रवाना किया गया है। जल्द ही पुलिस इस पूरे मामले का खुलासा कर सकती है। एसपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, 3 बदमाश गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम और बदमाशों में मुठभेड़ हो गई, जिसमें तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। इन बदमाशों ने दिल्ली-एनसीआर में कई घटनाओं को अंजाम दिया था।

पुलिस ने मंगलवार को मुठभेड़ में दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय टप्पेबाजी गैंग के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।

सीओ रितेश त्रिपाठी ने बताया कि थाना कोतवाली क्षेत्र के मंगलवार देर रात विजयनगर कट, नए बस अड्डे के पास पुलिस टीम की ओर से नियमित चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान, विजयनगर की तरफ से आ रहे एक ऑटो में सवार तीन व्यक्तियों को पुलिस ने संदिग्ध मानकर रुकने का इशारा किया।

पुलिस के रोकने पर, तीनों ने ऑटो रोकने के बजाय, उसे और तेज भगाते हुए डिवाइडर कूदकर कच्चे राश्ते की तरफ भागना शुरू कर दिया। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। कच्चे राश्ते पर पहुंचते ही तीनों व्यक्ति ऑटो से उतरकर भागने लगे।

पुलिस ने उन्हें आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन भागने की बजाए, बदमाशों ने अपने पास मौजूद तमंचों से पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें तीनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

कड़ाई से पूछताछ करने पर, इन्होंने अपना नाम शादाब, परवेज और मुन्ना बताया। बदमाशों ने बताया कि वे दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में घटनाओं को अंजाम देते हैं। उन्होंने 21 अक्टूबर को कोतवाली क्षेत्र में एक महिला के साथ लूट की घटना को भी इन्हीं लोगों ने किया था।

पुलिस के अनुसार, इन तीनों का एक लंबा आपराधिक इतिहास है। पुलिस ने इनके कब्जे से 11 हजार रुपए नकद, तीन तमंचे, तीन जिंदा और तीन खोखे कारतूस, एक मोबाइल फोन और घटना में इश्तेमाल ऑटो बरामद किया है।

तीनों घायल बदमाशों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस इस पूरे प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

सेक्टर 122 में महिला को कोबरा ने डसा, आईसीयू में भर्ती

सेक्टर 122 में कई खाली प्लॉट निवासियों की जान की आफत बने, निकलते रहते हैं सांप

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर 122 में मंगलवार को एक महिला को कोबरा सांप ने काट लिया। परिजनों व सेक्टर निवासियों ने महिला को सेक्टर 27 स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया है। महिला की हालत गंभीर बनी हुई है और आईसीयू में इलाज चल रहा है। निवासियों का आरोप है कि सेक्टर के अंदर पड़े खाली प्लॉट निवासियों की जान की आफत बन गए हैं। यहां पर सांप और अन्य कीड़े-मकोड़े निकलते रहते हैं।

सेक्टर के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार शर्मा ने बताया कि सेक्टर निवासी 50 वर्षीय सुजाता कुमार को सांप ने काट लिया। शाम के समय सुजाता अपने घर में थीं और उसी समय एक सांप उनके घर में आ गया और सांप ने पैर में काट लिया। सुजाता के घर के पास में ही एक खाली प्लॉट है और उस प्लॉट में बड़ी बड़ी झाड़ियां हैं। संभवतः यह सांप वहीं से आया है। आनन फानन में सुजाता को कैलाश हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। अभी हालत गंभीर बनी हुई है।

डॉ. उमेश शर्मा ने बताया कि सेक्टर 122 में लगभग 100 प्लॉट आधे अधूरे निर्माण वाले हैं। इसमें करीब 40 प्लॉट खाली पड़े हैं, जिनमें जहरीले कीड़े, नेवले और सांप पनप रहे हैं। पिछले दिनों बारिश के दौरान यहां पर रोजाना सांप निकलने की घटनाएं होती थीं।

हर बार प्राधिकरण से शिकायत की जाती थी लेकिन कार्रवाई कोई नहीं होती। इन खाली प्लॉट्स के मालिकों की जानकारी आरडब्ल्यूए के पास उपलब्ध नहीं है, जिससे नियमित सफाई व निगरानी मुश्किल हो गई है। हमारी नोएडा प्राधिकरण से मांग है कि सेक्टर 122 के सभी खाली प्लॉट्स की तत्काल सफाई व फॉगिंग कराई जाए।

DU छात्रा ने पिता पर लगाया बलात्कार के प्रयास का आरोप

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा ने थाना दादरी में अपने पिता के खिलाफ बलात्कार की कोशिश करने के आरोप में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा ने गौतमबुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह से कल मुलाकात की थी और अपनी शिकायत में कहा था कि उसके पिता का उसके साथ बर्ताव बचपन से ही खराब रहा है।

उन्होंने बताया कि अपनी शिकायत में छात्रा ने कहा कि उसके पिता बचपन में उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे जिससे तंग आकर उसकी मां ने उसे पढ़ने के लिए उसके मामा के घर मेरठ भेज दिया था। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि 12वीं तक की पढ़ाई उसने अपने मामा के घर पर रहकर की और अब वह दिल्ली विश्वविद्यालय से बीए कर रही है।

छात्रा की शिकायत के अनुसार 21 अक्टूबर को वह दीपावली का त्योहार मनाने के लिए दादरी स्थित अपने माता-पिता के घर आई थी और उसी दिन शाम को उसके पिता ने उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया, उसके शोर मचाने पर उसकी मां ने उसे बचाया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर थाना दादरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है और छात्रा के पिता की तलाश कर रही है।

सांसद मानहानि प्रकरण में आदेश रिजर्व

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

वर्ष 2024 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान गाजियाबाद संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी डोली शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग पर आधारहीन और तथ्यहीन आरोप लगाए थे।

उन्होंने भाजपा नेता पवन गोयल के नाम का कथित लेटर हाथ में लेकर उस लेटर का हवाला देते हुए अतुल गर्ग को 'भूमाफिया' बताया था। यह खबर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित हुई थी। इस झूठे आरोप के आधार पर भ्रामक प्रेस कॉन्फ्रेंस से अपनी साख को ठेस पहुंचने पर सांसद अतुल गर्ग ने डोली शर्मा व अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया।इस प्रकरण की जांच पुलिस द्वारा की गई तो सच्चाई सामने आई कि भाजपा नेता पवन गोयल के जिस लेटर को अपने हाथों मे लेकर डोली शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

अतुल गर्ग की छवि खराब करने की कोशिश की उस लेटर में तो अतुल गर्ग का नाम ही नहीं है। पुलिस को दिए बयान में भाजपा नेता पवन गोयल ने भी स्पष्ट रूप से बताया कि उन्होंने ऐसा कोई लेटर कभी नहीं लिखा और उनका नाम राजनीतिक षड्यंत्र के तहत झूठा इश्तेमाल किया गया।डॉली शर्मा मेरी अधिकारी नहीं है जो मैं उसे कोई लेटर दूंगा मैने ऐसा कोई लेटर डोली शर्मा को नहीं दिया। अतुल गर्ग स्वच्छ छवि के व्यक्ति हैं और डोली शर्मा ने लोकसभा चुनाव में अतुल गर्ग को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से चुनाव प्रचार के दौरान उनकी छवि खराब करने की कोशिश की और अतुल गर्ग पर बेबुनियाद आरोप लगाए।

भाजपा नेता पवन गोयल ने कहा कि डॉली शर्मा के इस कृत्य की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। गलत व झूठे तथ्यों पर भूमाफिया कहकर संबोधित करना डॉली शर्मा की कमजोर व खराब मानसिकता को दर्शाता है।

पुलिस जांच में डोली शर्मा के दावों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं पाया गया बल्कि डॉली शर्मा द्वारा अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर षड्यंत्र के साक्ष्य पुलिस को प्राप्त हुए।

पुलिस ने रिपोर्ट न्यायालय को भेजी दी। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय द्वारा डोली शर्मा समेत अन्य को सम्मन जारी किया। इसके विरुद्ध डोली शर्मा ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद का दरवाजा खटखटाया, जहां से निर्देश दिया गया कि निचली अदालत परिवाद मामले में किसी को भी सम्मन करने से पहले उसका पक्ष सुने। इसके पश्चात गाजियाबाद सीजेएम द्वारा सभी पक्षों को सुना जा चुका है। अब, गाजियाबाद के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश 4 नवंबर 2025 तक सुरक्षित रख लिया गया है।अब सबकी निगाहें न्यायालय के इस फैसले पर टिकी हैं।

नहटौर में प्रजापति समाज की एकजुटता बनी मिसाल

फिरेराम प्रजापति को बताया समाज का जागरूक पुरुष

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

बुधवार की सायं नहटौर नगर में सामाजिक एकता और नेतृत्व का प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला।

जब उत्तर प्रदेश के प्रजापति समाज के वरिष्ठ नेता श्री सुरेश बहादुर प्रजापति, रामपुर के युवा जिलाध्यक्ष सर्वेश कुमार प्रजापति, युवा तेजस्वी प्रजापति और मुरादाबाद के युवा नेता पंकज प्रजापति का नगर में गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

स्वागत समारोह दक्ष हॉस्पिटल के एमडी एवं राष्ट्रीय प्रजापति महासभा बिजनौर के जिलाध्यक्ष डॉ. ए.के. दक्ष के निवास पर आयोजित हुआ। स्वागत करने वालों में डॉ. एम. दक्ष और वरिष्ठ समाजसेवी व पत्रकार पंकज कुमार दक्ष भी शामिल रहे।

अपने स्वागत भाषण में श्री सुरेश बहादुर प्रजापति ने कहा कि "भारत देश के कुम्हार समाज को जगाने का श्रेय श्री फिरेराम प्रजापति जी को जाता है।

उन्होंने समाज में चेतना, आत्मविश्वास और संगठन का संचार किया। आज जरूरत है कि हम सब शिक्षा और एकता के मार्ग पर चलें।"

उन्होंने युवाओं से राजनीति में सक्रिय भागीदारी और समाज के उत्थान के लिए संगठित रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने समाज की एकता और प्रगति के संकल्प के साथ नेताओं का तालियों से स्वागत किया।

भाकियू प्रधान के मंडल मीडिया प्रभारी रामोद कुमार ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) के मंडल मीडिया प्रभारी रामोद कुमार ग्राम भटौली पहुंचे।, जहां उन्होंने

ग्रामीणों की विभिन्न समस्याएं सुनी और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

इस मौके पर ग्रामीणों ने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं जैसे सड़क, बिजली, पानी और किसानों की परेशानियों को प्रमुखता से उठाया। बैठक के दौरान संगठन पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नजीबाबाद ब्लॉक के वार्ड नंबर 5 से जिला पंचायत सदस्य के चुनाव को लेकर विश्तृत चर्चा कर आगामी रणनीति तय की। मंडल मीडिया प्रभारी ने कहा कि संगठन मजबूत रूप से चुनाव मैदान में उतरेगा और जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देगा।इस अवसर पर डॉ. नर्देव सिंह, कालेन्द्र चौधरी, रणजीत सिंह, प्रमोद कुमार, जगदीश प्रसाद, तारा सिंह प्रजापति, करण सिंह सहित अन्य ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने रामोद कुमार को चुनाव में विजय दिलाने का पूर्ण समर्थन किया और कहा कि वे एक ईमानदार, जनसेवी और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित उम्मीदवार हैं। सभा के अंत में सभी ने एकजुट होकर संगठन को मज़बूत करने और जनता के हितों के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष में निकली तीसरी प्रभात फेरी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सिक्खों एवं सभी भारतवासियों के आस्था के प्रतीक श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में शब्द कीर्तन करते हुए प्रभात फेरी निकाली।

प्रभात फेरी में सबसे आगे निशान साहिब तथा उनके पीछे गुरु घर के ज्ञानी भाई कृष्ण सिंह, भाई तारा सिंह,भाजपा नेता रोहित रवि, हरमीत मल्होत्रा, ढोलक एवं वाद्य यंत्र बजाते हुए चल रहे थे। बताते चलें गुरुद्वारा संत सभा नगीना द्वारा 27 अक्टूबर से 02 नवंबर तक प्रभात फेरियां निकाली जा रही हैं। इस क्रम में आज तीसरी प्रभात फेरी सभी संगतों के सहयोग से बहुत ही श्रद्धा के साथ निकाली गई। प्रभात फेरी में संगत शब्द कीर्तन करते हुए गुरुद्वारा संत सभा नगीना से प्रारंभ होकर तहसील, नगर पालिका एवं डाकघर होते हुए अंबेडकर नगर नगर स्थित मास्टर धर्मवीर सिंह के निवास पर गई। प्रभात फेरी का अंबेडकर नगर में कई स्थानों पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। शब्द कीर्तन, अरदास एवं प्रसाद वितरण के बाद प्रभात फेरी वापस गुरुद्वारे आकर पूर्ण हुई। प्रभातफेरी में मुख्य रूप से प्रधान गुरुद्वारा संत सभा नगीना सरदार केवल पाल सिंह, गुरु घर के ज्ञानी भाई कृष्ण सिंह, भाई तारा सिंह, भाजपा नेता रोहित रवि,मास्टर धर्मवीर सिंह,सरदार हरमीत मल्होत्रा, मनमीत सिंह, जगप्रीत सिंह, निशांत सिंह, दीपक मल्होत्रा, हरदयाल सिंह सोढ़ी, मनोज टंडन, सतनाम सिंह, नंदलाल सिंह, कृष्णवीर सिंह, बीना देवी, रेणु देवी,सिमरन कौर, सिम्पी मल्होत्रा, प्रीति टंडन,दयाराम, रमिंदर कौर, अवनीत कौर, पूजा चोपड़ा, शक्ति चोपड़ा, शिव चोपड़ा, ज्योति रानी, पूजा रानी बाबूराम,अंकित कुमार, अमन कुमार, विकास कुमार, निशांत सिंह, शीला देवी,रेखा देवी, गुड्डी देवी आदि अनेकों श्रद्धालु शामिल रहे।

28.33 करोड़ की लागत से भूमिगत होगी सेक्टर-47 बिजली लाइन

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-47 में बिजली की लाइन खंभों पर टंगी हुई नहीं दिखाई देगी। सेक्टर के ए, बी और सी ब्लॉक में बिजली की लाइन प्राधिकरण भूमिगत करने जा रहा है। इसके लिए लाइन समेत अन्य भूमिगत संसाधन विकसित करने में करीब 28.33 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

टेंडर प्राधिकरण के विद्युत यांत्रिक विभाग ने जारी कर दिया है। एजेंसियों से 11 नवंबर तक आवेदन मांगे गए हैं। फिर दश्तावेज परीक्षण शुरू होगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि इसके पहले सेक्टर-15 ए में बिजली लाइन भूमिगत करवाने के लिए काम हो रहे हैं। आगे औद्योगिक सेक्टर-3 और आवासीय सेक्टर-122 में भी बिजली लाइन भूमिगत की जाएगी। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया, सेक्टर-47 के डी ब्लॉक की बिजली लाइन को पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम की तरफ से पहले भूमिगत किया गया था। इसलिए इस ब्लॉक को छोड़कर बाकी तीन के लिए परियोजना तैयार की गई है।

लाइन भूमिगत होने से आंधी-बारिश में खराबी, तार टूटने की समस्या दूर हो जाती है। इसके साथ ही पेड़ों की टहनियों की छटाई के लिए बिजली सप्लाई नहीं रोकी जाती है। रखरखाव कई और मायने में विद्युत विभाग के लिए भी बेहतर हो जाता है। इसलिए प्राधिकरण ने सभी सेक्टरों में अलग-अलग चरण में बिजली लाइन भूमिगत करवाने का निर्णय लिया है। 2024 में सेक्टर-15 ए के लिए टेंडर जारी कर एजेंसी का चयन किया गया था।

यहां पर भी परियोजना में कुछ बदलाव हुए हैं। सेक्टर-15 ए को नोएडा प्राधिकरण भूमिगत बिजली लाइन के लिए मॉडल बनाने पर काम कर रहा है। 2024 में यहां के लिए टेंडर जारी कर एजेंसी का चयन किया गया था। जनवरी 2025 में काम शुरू करवाया गया था। यहां की लागत करीब 18.50 करोड़ रुपये अनुमानित है।

जुलाई में नोएडा प्राधिकरण के विद्युत यांत्रिक विभाग की टीम मुंबई महानगर में अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड के तंत्र का अध्ययन करने गई थी। वापस लौटने के बाद यहां की परियोजना में कई बदलाव किए गए हैं।

पहला यह कि सेक्टर के अंदर बिजली लाइन के कनेक्शन को लगने वाले डबल पोल स्ट्रक्चर (दो खंभे) हटाकर इसकी जगह एक बक्सानुमा व्यवस्था रिंग मैन यूनिट (आरएमयू) बनाने का निर्णय लिया गया है।

सरदार पटेल की जयंती मनाने के लिए भाजपाईयों की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती मनाने के लिए भाजपाइयों की विधानसभा बैठक आयोजित करते हुए हुए रूपरेखा तैयार की गई। 31 अक्टूबर को चित्र पर पुष्प अर्पित व 21 नवंबर को पदयात्रा निकाली गई।

प्राप्त समाचार के अनुसार झालू मार्ग पर भाजपाईयो की विधानसभा श्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की गई। जिसमें 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र के सम्मुख प्रत्येक बूथ पर पुष्प अर्पित बूथ पर पुष्प अर्पित किए जाएंगे। इसके अलावा 21 नवंबर को गांव खंडसाल से आठ किलोमीटर की पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा खंडसाल से शुरू होकर बलराम कुंवर सिंह विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आकर संपन्न होगी।

बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. दीप सौरव, अतुल मारवाड़ी, शोभित त्यागी, अनिल सिंह तिलक सैनी, राकेश चौधरी ब्लॉक राकेश चौधरी ब्लॉक प्रमुख, वैभव गोयल, राकेश सैनी, उमेश चौहान प्रशांत वर्मा, राहुल चौधरी, पवन दत्त, राजीव अहलावत, सुभाष शर्मा, सावन वाल्मीकि, आलम शेख, शुभम रश्तोगी, हिमांशु पाराशार, गौरव चौहान, राजीव चौहान, वीर चौधरी आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यलय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते है।

निविदा संख्या	20-RCNK-OPN-VB-UH-2025
कार्य का नाम और कार्य स्थान	
"आरसीएनके/एसएनपी में शेड़यूल मेंटेनेंस के दौरान वंदे भारत रेक में सीटों की अपहोल्स्ट्री की सप्लाई और रिप्लेसमेंट (काम के दायरे के अनुसार)"	
अनुमानित लागत	रुपये 9739106.40/– जीएसटी @ 18 % सहित
बयाना राशि	रुपये 194800.00/–
निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से छह महीने
निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय	दिनांक 13.11.2025 को 15:00 बजे तक खुलने का समय 15:15 बजे।
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in

यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।

पत्र सं. 20-RCNK-OPN-VB-UH-2025 दिनांक : 28.10.2025 3363/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

तमाम सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ

नदियां किसी भी संस्कृति का प्राण तत्व हैं। विभिन्न संस्कृतियों के जन्म और उनके विकास का आधार यही नदियाँ हैं जो अपने अमृत से अपनी संततियों में जीवन रस का संचार करती हैं। विश्व का इतिहास साक्षी है कि तमाम सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ है। नदियों के निकट की उर्वर भूमि, जल की निरंतर उपलब्धता, प्राकृतिक संपदा और संसाधन और इन सबसे प्रभावित और संतुलित ऋतु चक्र के कारण ही सभ्यताओं को फलने-फूलने के लिए सबसे उत्तम स्थान नदियों के किनारे ही मिला।

यही कारण है कि प्रकृति एवं पंच शक्ति पूजक हम भारतीयों के लिए नदी केवल जल की एक धारा मात्र नहीं रही, बल्कि वह उस विराट मातृ शक्ति का रूप भी है, जिसका कार्य ही है अपनी संततियों का पालन और पोषण करना। किन्तु आज की स्थितियों में हम पाते हैं कि हमने नदियों से लिया तो बहुत कुछ है किन्तु बदले में उन्हें हम कुछ दे नहीं पाए हैं, सिवाय अस्वच्छता का। भारत में 200 से अधिक छोटी बड़ी नदियाँ हैं। कुछ आँकड़ों के अनुसार यह संख्या 400 के आस पास है। जिनमें कुछ मुख्य और कुछ सहायक नदियाँ हैं तो कुछ छोटी और बरसाती नदियाँ हैं। इन नदियों का धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से बड़ा महत्व रहा है।

कुम्भ स्नान, गणेश चतुर्थी, कार्तिक स्नान, मकर संक्रांति में डुबकी और छठ पर्व के अतिरिक्त विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी नदियों की पूजा और उनमें डुबकी लगाने का विधान है, शुभ कार्यों, पूजन के भोग और पंचामृत में गंगा जल का क्या महत्व है, इससे तो सभी परिचित ही हैं तो मोक्ष प्राप्ति के लिए सनातन काल से अस्थि विसर्जन भी इन्हीं नदियों में ही होता आया है। सीधा सा अर्थ है कि भारतीय नदियों का संबंध भारत की सनातन चेतना, परंपरा और आस्था से तो है ही औद्योगिक और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी इनका बहुत महत्व है। किन्तु विगत कुछ वर्षों में देखा गया है कि तीव्र गति से हो रही जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास, घरेलू एवं कृषि क्षेत्र में बढ़ते दबावों के कारण जल की मांग अत्यधिक बढ़ी है, जिससे पेय जल की समस्या का संकट खड़ा तो हुआ ही है, जल की गुणवत्ता में भी कमी आई है। हमारी नदियाँ तीव्र गति से प्रदूषित हो रही हैं।

विभिन्न खतरनाक तत्व जिसमें अमोनिया, नाइट्राइट और फॉस्फेट जैसे उर्वरक, डिटर्जेंट, तेल और हाइड्रोकार्बन, कैडमियम, पारा, सीसा जैसे रासायनिक कचरे, स्टायरोफोम, प्लास्टिक और पोलीथिन सम्मिलित हैं, नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार प्रतिदिन 60 प्रतिशत से अधिक अशोधित जल भी सीधे नदियों में जाता है। सीधी सी बात है कि नदियों में बढ़ते प्रदूषण का यह स्तर न केवल नदी की जैविकी को नुकसान पहुँचा रहा है बल्कि आम जन-जीवन को भी प्रभावित कर रहा है। हालांकि भारत सरकार द्वारा नदियों के लिए कई योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं जिनमें राष्ट्रीय नदी संरक्षण, गंगा एक्शन प्लान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे, यमुना सफाई अभियान प्रमुख हैं किन्तु ये योजनाएँ तभी सफल हो सकती हैं, जबकि लोक चेतना और उसमें भी नारी शक्ति उससे जुड़ी हो। संभवतः इसी विचार से जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान का आरंभ किया। जिसका आदर्श वाक्य है- जीवन के लिए पानी का सम्मान।

चूँकि जल प्रबंधन का कार्य घरों में महिलाएँ ही संभालती हैं। जल के महत्व और उसका प्रबंधन स्त्रियाँ बहुत कुशलता से करती हैं, अतः जल संरक्षण का कार्य महिलाओं को सौंपा जाना सही दिशा में उठाया गया कदम है। इस संबंध में सबसे अच्छी बात यह है कि इस योजना का उद्देश्य जल संरक्षण के क्षेत्र में स्त्रियों की भागीदारी को मान्यता देना, उन्हें जमीनी स्तर से आगे लाकर राष्ट्रीय नेतृत्व से जोड़ना और इस प्रकार दूसरों को जल सुरक्षित भविष्य से जोड़ने का क्रांतिकारी विचार भी सम्मिलित है। इसी योजना के अंतर्गत 36 महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। इस संबंध में राष्ट्रपति डॉ द्रौपदी मुर्मू का कथन है कि- देश में स्वच्छता अभियान और स्वच्छ पेय जल जैसी लोगों से जुड़ी देशव्यापी योजनाओं की सफलता में देश की महिला शक्ति की भूमिका अहम है और इस अभियान का आधार नारी है। इसी योजना के अन्तर्गत महिलाओं को प्रशिक्षित और जागरूक भी किया जा रहा है, जिसका असर जमीनी स्तर पर भी देखा जा रहा है। ग्रामीण अंचलों में भी देखें तो महिलाएँ प्लास्टिक और पॉलिथीन के प्रयोग से बचने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही हैं। प्लास्टिक की बोतलें जो जल और समग्र प्रकृति के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं, महिलाएँ उनसे गुलदस्ते बनाकर कर स्व-रोजगार को भी बढ़ावा दे रही हैं।

इसी प्रकार ग्रे वाटर प्रबंधन की व्यवस्था, जिससे नालियों से निकलने वाला पानी पीने के पानी को दूषित न करे और जल स्त्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित हो, इस दिशा में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में आगे आ रही हैं। इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों जैसे यमुना की स्वच्छता में भी दिल्ली की मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कई स्वयं सेवी संस्थान जिनमें बड़ी संख्या में स्त्रियाँ भी हैं, महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। केवल इतना ही नहीं स्त्रियों के नेतृत्व में नदियों और जल प्रबंधन से सबंधित और भी कार्य हो रहे हैं, जिसका एक उदाहरण हैं भारतीय वैज्ञानिक डॉ नीलिमा गुप्ता, जिन्होंने लगभग चार दशक से अधिक समय तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध करके प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, डब्लूडब्लू एफ, एनजीटी को अपने शोध से परिचित कराया और इससे सम्बद्ध कई परियोजनाएँ भी संचालित कीं। नदियों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या पर उनका कहना है कि नदियों में बढ़ते प्रदूषण के कारण परजीवी बढ़ रहे हैं। जलीय जीवन इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

जिसका कुप्रभाव पर्यावरण और स्वास्थ्य के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। इसी प्रकार सी टू सोर्स गंगा नदी अभियान में भारत और बांग्लादेश में गंगा नदी में प्लास्टिक प्रदूषण का अध्ययन करने वाली महिला टीम भी महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य भी नदियों विशेषकर गंगा में बढ़ते प्रदूषण और उसके कारण समुद्र में निरंतर बढ़ते प्लास्टिक और अन्य प्रकार के कचरे की ओर ध्यान दिलाना है, जिसके कारण पारिस्थितिकी तंत्र और जलीय जीव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

कुल मिलाकर देखें तो नदियों की सुरक्षा और स्वच्छता की दिशा में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। किन्तु यह भी सच है कि यह अभी आरंभिक चरण में ही है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि स्त्री किसी भी परिवार और समाज की धुरी होती। सभी पर्व और त्योहारों के केंद्र में भी स्त्री की ही भूमिका रहती है, तो ऐसे में सामाजिक और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों में स्त्री यदि नेतृत्वकारी भूमिका में आती है तो निश्चय ही इसका स्वागत होना चाहिए और प्रयास यह भी होना चाहिए कि जल संरक्षण और प्रकृति से जुड़े विषयों में स्त्रियों की भागीदारी और बढ़ सके।

SIR की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

ललित गर्ग

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है।

यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दश्तावेज़ के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।

निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो।

जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया।

आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्यूमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था।

कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है।

एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आश्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है।

अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू कराने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे।

बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिकेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं।

विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे।

चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुश्त करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है।

विडंबना यह है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति किया जाना रास नहीं आ रहा है। उन्होंने बिहार में एसआईआर को लेकर आसमान सिर पर उठाया और वोट चोरी के जुमले के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की शिकायत भी करते हैं और उनके पुनरीक्षण का विरोध भी?

हालांकि उनके दुष्प्रचार की पोल खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए तैयार रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर सकते हैं। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)

भाजपा की राजनीति का दारोमदार अब 'घुसपैठ' पर!

अनिल जैन

सरकार क्या सचमुच घुसपैठ की समस्या का समाधान करना चाहती है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि पिछले 11 साल से केंद्र में लगातार भाजपा की सरकार है और अभी तक उसकी ओर से घुसपैठ रोकने का एक भी गंभीर प्रयास होता नहीं दिखा है। अमित शाह पिछले छह वर्षों से देश के गृह मंत्री हैं। इस बात का खूब ढिंढोरा पीटा जाता है उन्होंने सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री बने रहने का रिकॉर्ड बनाया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 1951 में भारतीय जनसंघ के नाम से अपनी जिस राजनीतिक शाखा का गठन किया था, उसका मुख्य लक्ष्य था- सांप्रदायिक धुरवीकरण के जरिये कांग्रेस का विकल्प बनना और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना। इसके लिए उसके तीन प्रमुख मुद्दे थे- देश में समान नागरिक संहिता, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 का खात्मा और गौहत्या पर प्रतिबंध।

करीब तीन दशक बाद जनसंघ के नेताओं ने जब जनता पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी का गठन किया तो उसके एजेंडे में भी ये तीन मुद्दे शामिल रहे। फिर भी इन मुद्दों से बात बन नहीं बन रही थी, सो उसने 1987 के आते-आते अयोध्या में बाबरी मस्जिद की जगह पर राम मंदिर बनाने के मुद्दे को भी अपने एजेंडे में शामिल कर लिया। यह मुद्दा उसके लिए बहुत लाभदायी रहा और इसी के सहारे वह सत्ता तक पहुंची। साल 1989 से लेकर 2024 तक हर चुनाव उसने सांप्रदायिकता की खेती करते हुए इसी मुद्दे पर लड़ा। हालांकि 2024 के चुनाव से पहले जैसे-तैसे अयोध्या में राम मंदिर भी बन गया था, इसलिए यह मुद्दा उस चुनाव में नहीं चल पाया।

भाजपा न सिर्फ अयोध्या में हारी बल्कि उत्तर प्रदेश की 80 में से आधी से ज्यादा सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा। केंद्र में उसकी सरकार भी जैसे-तैसे ही बन सकी। राम मंदिर बनने से पहले ही 2019 में अनुच्छेद 370 का मुद्दा भी खत्म हो चुका था। रही बात समान नागरिक संहिता लागू करने की, तो उसके लिए कुछ कवायदें हुईं लेकिन देश भर में लागू करना कई कारणों से संभव नहीं हो सका। इसलिए राज्यों के श्तर पर उसे लागू करना शुरू किया गया। उत्तराखंड पहला राज्य बना, जहां समान नागरिक संहिता लागू हुई। उसी की तर्ज पर गुजरात, असम, मध्य प्रदेश आदि भाजपा शासित राज्यों की सरकारों ने इसे अपने यहां भी लागू करने की बात कही है।

जहां तक गौहत्या पर राष्ट्रव्यापी पूर्ण प्रतिबंध की बात है, तो यह भाजपा की सरकार के लिए व्यावहारिक तौर पर संभव नहीं है। इसकी अहम वजह यह है कि गोमांस के वैश्विक बाजार में भारत दूसरे नंबर का सबसे बड़ा खिलाड़ी है और भाजपा के कई वित्त पोषक कारोबारी भारत में इस धंधे से जुड़े हुए हैं। इसलिए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे भाजपा-आरएसएस के आनुषंगिक संगठन अपने कार्यकर्ताओं को व्यश्त रखने, समर्थकों को बहलाने और मुसलमानों को डराने-चिढ़ाने के लिए समय-समय पर यह मुद्दा उठाते रहते हैं। इससे ज्यादा उनके लिए इस मुद्दे की कोई अहमियत नहीं है।

अब सवाल है कि इन मुद्दों के निबटारे के बाद आगे क्या? हिंदुत्व की ध्वजा फहराते हुए वोटों की खेती तो धुरवीकरण वाले किसी मुद्दे के जरिये ही हो सकती है। इस सिलसिले में लगता है कि भाजपा और आरएसएस ने अब घुसपैठ के मुद्दे को अपनाने का फैसला किया है। अब हर चुनाव में इस मुद्दे को जोर-शोर से उछाला जाएगा और इससे निबटने के नाम पर वोट मांगे जाएंगे। जाहिर है कि ऐसा करते हुए घुसपैठ की समस्या के लिए कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियों पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया जाएगा। यह बताने की जरूरत नहीं कि इसी मुद्दे के जरिये मुसलमानों के खिलाफ़ नफ़रत भी फैलाई जाएगी।

हालांकि अभी यह नहीं कहा जा सकता कि यह मुद्दा भाजपा को चुनाव जीता देने में कितनी कारगर भूमिका अदा करेगा, क्योंकि झारखंड में यह मुद्दा पिट चुका है। वहां असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को इस मुद्दे के चैंपियन के तौर पर उतार कर भाजपा ने बड़े जोर शोर से यह मुद्दा उठाया था लेकिन उसे बुरी तरह मुंह की खानी पड़ी थी।

इसके बावजूद भाजपा ने हार नहीं मानी है और वह बिहार विधानसभा के चुनाव में इसे आजमा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह वहां अपनी हर चुनावी रैली में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहे हैं।

मोदी ने इसी साल 15 अगश्त को लाल किले से ऐलान किया था कि सरकार एक उच्च अधिकार प्राप्त डेमोग्राफी कमीशन बनाएगी, जो घुसपैठ की समस्या का आकलन करेगा और इससे निबटने के उपाय सुझाएगा। गौरतलब है कि मोदी और उनकी सरकार की चिंता के केंद्र में चीन से होने वाली सैन्य घुसपैठ कतई नहीं है, जो कि अक्सर होती रहती है- कभी अरुणाचल प्रदेश में तो कभी लद्दाख में। उनकी चिंता का पूरा फोकस पाकिश्तान, बांग्लादेश और म्यांमार से होने वाली घुसपैठ पर है।

मोदी अब तक कु ल 12 मर्तबा बतौर पीएम लाल किले से भाषण दे चुके हैं तो उनमें से शुरू के 11 बार उनके भाषण में घुसपैठ की समस्या का कोई जिक्र नहीं हुआ। पहली बार घुसपैठ का जिक्र उन्होंने अपने 12वें भाषण में किया। जाहिर है कि राम मंदिर, अनुच्छेद 370, समान नागरिक संहिता के बाद पैदा हुए खालीपन को भरने के लिए एक नए मुद्दे की तलाश थी, जो घुसपैठ पर जाकर खत्म हुई है।

हालांकि झारखंड के चुनाव में यह मुद्दा बेअसर रहा है लेकिन भाजपा ने हार नहीं मानी है। उसे मालूम है कि राम मंदिर और अनुच्छेद 370 के मुद्दों को भी दशकों तक सींचने के बाद वोटों की फसल लहलहाई है। इसलिए वह घुसपैठ का मुद्दा भी पूरे जोर-शोर से उठाती रहेगी। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल और असम में भी इसे आजमाया जाएगा। इन तीन राज्यों के चुनावों को ध्यान में रखकर ही इस मुद्दे को चुना गया है। सवाल है कि सरकार क्या सचमुच घुसपैठ की समस्या का समाधान करना चाहती है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि पिछले 11 साल से केंद्र में लगातार भाजपा की सरकार है और अभी तक उसकी ओर से घुसपैठ रोकने का एक भी गंभीर प्रयास होता नहीं दिखा है।

अमित शाह पिछले छह वर्षों से देश के गृह मंत्री हैं। इस बात का खूब ढिंढोरा पीटा जाता है उन्होंने सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री बने रहने का रिकॉर्ड बनाया है। अलबत्ता गृह मंत्री के रूप में उनकी नाकामियों की कोई चर्चा नहीं होती है। हालांकि पिछले दिनों एक अखबार के कार्यक्रम में भाषण देते हुए अमित शाह बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ को रोकने में तो अपनी नाकामी खुद कु बूल कर चुके हैं। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश से लगी सीमा पर कई झरने, महासागर जैसी नदियां, बहुत सारी पहाड़ियां और विशाल जंगल हैं, जहां बाड़ नहीं लगी है और वहां से घुसपैठ कोई नहीं रोक सकता।'

बांग्लादेश की सीमा से होने वाली घुसपैठ के लिए 11 साल पहले की यूपीए सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाता है और पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला किया जाता है कि वह जमीन नहीं दे रही है। माना कि बंगाल सरकार जमीन नहीं दे रही है लेकिन सवाल यह है कि असम और त्रिपुरा से लगी सीमाओं पर बाड़ लगाने में क्या समस्या है? असम में 10 और त्रिपुरा में भी आठ साल से भाजपा की सरकार है।

वहां 'डबल इंजन' की सरकारें होने के बावजूद बांग्लादेश से लगी सीमाओं पर बाड़ नहीं लगाई जा सकी है और इंसानों से लेकर पशुओं तक की तस्करी जारी है। पूर्वोत्तर के ज्यादातर राज्यों में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकारें हैं लेकिन म्यांमार से आने वाले रोहिंग्या घुसपैठियों को नहीं रोका जा सका है। रोहिंग्या घुसपैठियों की समस्या तो बढ़ी ही पिछले 11 वर्षों में है।

अमित शाह ने घुसपैठ की समस्या को बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा है कि इससे देश की जनसंख्या संरचना बदल रही है। इसके लिए उन्होंने सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों को सचेत करते हुए निगरानी बढ़ाने को कहा है। सवाल है कि कोई चार साल पहले जब राज्यों के विरोध के बावजूद केंद्र सरकार ने सीमावर्ती राज्यों में सीमा या नियंत्रण रेखा से डेढ़ सौ किलोमीटर के अंदर तक निगरानी करने, जांच करने, छापा मारने और गिरफ्तार करने का अधिकार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया है, फिर भी घुसपैठ क्यों नहीं रूकी, जो अब सीमावर्ती जिले के अधिकारियों को सचेत किया जा रहा है? गौरतलब है कि पहले बीएसएफ को सीमा से 50 किलोमीटर अंदर तक जांच करने और संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार करने का अधिकार था, जिसे बढ़ाकर डेढ़ सौ किलोमीटर कर दिया गया है।

जब सीमा से लेकर 50 किलोमीटर तक की निगरानी बीएसएफ कर रही थी तो घुसपैठ कैसे बढ़ी और अब जबकि डेढ़ सौ किमी तक निगरानी उसके जिम्मे है तब भी घुसपैठ क्यों जारी है? सरकार के पास इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। उसके पास है सिर्फ विपक्षी दलों और उनकी राज्य सरकारों पर लगाने के लिए आरोप, जो उसके नेता चुनावी रैलियों में लगाते रहते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

सड़क पर चिताओं का कारण बन रही है जुगाड़ वाली बसे

कांतिलाल मांडोत

अक्टूबर माह में बस में आग लगने और यात्रियों के जिन्दे जलने की घटना बढ़ती गई है। जयपुर में बस हाइटेंशन वाले तार से टकरा गईऔर बस में करंट दौड़ने से दो व्यक्ति जिन्दे जले और करीब दस व्यक्ति झुलस गए। जैसलमेर बस में आग लगने से 26 लोगो की मौत हुई। बहरहाल, बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। कुरनूल की चलती बस में आग लगने से दो व्यक्तियों की जलने से मृत्यु हो गई है।

कुरनूल में स्लीपर बस में आग लगने से बस जलकर खाक हो गई। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में बड़ा हादसा हुआ। आगरा लखनऊ मार्ग पर तेवरी टोलप्लाज़ा पर लगी भीषण आग से कई लोग झुलस गए और कई यात्रियों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बस में आग लगने की घटना थम नही रही है। इस महीने सर्वाधिक आग की घटना हुई है। और आग लगने से कई यात्री जिन्दे जल गए। बस में आग लगने की करुण और दुःखद घटनाओ में यात्रियों की मौते हुए है।

झुलसे यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी और कुछ दिन बाद झुलसे व्यक्ति की मौत भी हो है। ऐसी घटना आखिरी घटना नही है। इसके पीछे रहे कारणों का पता चलना आवश्यक है। निजी बसे रखरखाव के अभाव और चालक की लापरवाही के कारण भी चलती बस में आग लगना और दुर्घनाग्रश्त होती है। चालक की गलतियों को नजरअंदाज नही किया जा सकता है।

बसों में आग लगने की सिलसिलेवार कई घटनाओं में कही शॉर्ट सर्किट तो कही चालक की लापरवाही के कारण आग लगी है। जयपुर में हाईटेंशन लाइन के नीचेबस ले जाने और सिलेंडर में ब्लास्ट होने की वजह से आग लगी थी। यह मानव सर्जित घटना थी। देश मे वाहनों की दुर्घटनाओं में कई लोग हररोज जान गंवाते है। भारत मे हररोज सड़क दुर्घटना में सैकड़ो लोगो की मौत हो रही है।

कार दुर्घटनाएँ कई कारणों से हो सकती हैं, लेकिन कुछ कारक घातक टक्करों के उच्च प्रतिशत का कारण बनते हैं।

एनएचटीएसए के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल लगभग 29% सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों के लिए तेज़ गति ज़िम्मेदार थी। इस तरह के खतरनाक व्यवहार को अक्सर लापरवाह ड्राइविंग के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। गाड़ी चलाते समय टेक्स्ट मैसेज भेजना, रेडियो एडजस्ट करना या फ़ोन पर बात करना सड़क से ध्यान भटका देता है।

सीडीसी के अनुसार, अकेले अमेरिका में ही ध्यान भटकाकर गाड़ी चलाने से हर साल 3, 000 से ज़्यादा मौतें होती हैं। लाल बत्ती पार करना भी ध्यान भटकाने से जुड़ा एक आम व्यवहार है जिससे जानलेवा दुर्घटनाएँ होती हैं। हमारे यहां लालबति चालू होते हुए भी वाहनचालक क्रॉस पार कर लेते है। यह गलत और आरटीओ के नियमों का उल्लंघन है। बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है।

सीट बेल्ट जान बचाती हैं, फिर भी कई मौतें अनियंत्रित यात्रियों के कारण होती हैं।

बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है। संघीय राजमार्ग प्रशासन (FHWA) के आंकड़ों के अनुसार, सभी दुर्घटनाओं में से 21% मौसम संबंधी होती हैं। यह समझना कि ज़्यादातर दुर्घटनाएँ कहाँ होती हैं, ड्राइवरों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में ज़्यादा सतर्क रहने में मदद कर सकता है।

सड़क सुरक्षा आधुनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो प्रतिदिन लाखों लोगों को प्रभावित करता है। वाहनों की टक्करों से लेकर पैदल यात्रियों की दुर्घटनाओं तक, सड़क दुर्घटनाएँ जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती हैं

सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद ज़रूरी है। इसमें निर्धारित गति सीमा का पालन करना शामिल है, जो सड़क की स्थिति के अनुसार बनाई गई हैं और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करती हैं। इसके अलावा, ट्रैफ़िक सिग्नल और सड़क संकेतों का पालन करने से सड़क पर पूर्वानुमान बेहतर होता है, जिससे भ्रम और अप्रत्याशित मोड़ कम करने में मदद मिलती है। इन नियमों का पालन करके, चालक यातायात के समग्र सुचारू प्रवाह में योगदान देते हैं, दुर्घटनाओं की संभावना कम करते हैं और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाते हैं। सड़क पर संभावित खतरों को कम करने के लिए रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाहन चलाते समय सतर्क और सजग रहने से चालकों को अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों का पूर्वानुमान लगाने में मदद मिलती है,

दुर्घटनाओं की रोकथाम में वाहनों का नियमित और संपूर्ण रखरखाव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ब्रेक, टायर और लाइट जैसे आवश्यक पुर्जों की नियमित जाँच और निरीक्षण के माध्यम से, चालक संभावित यांत्रिक समस्याओं की पहचान कर सकते हैं और उन्हें गंभीर खराबी में बदलने से पहले ही उनका समाधान कर सकते हैं।

व्यापक सड़क सुरक्षा शिक्षा का उद्देश्य ड्राइवरों, पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों सहित सभी सड़क उपयोगकर्ताओं तक पहुँचना होना चाहिए। सड़क सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, जैसे कि पैदल यात्रियों के लिए निर्दिष्ट क्रॉसिंग बिंदुओं का उपयोग करने का महत्व और विभिन्न सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच परस्पर सम्मान की आवश्यकता, शिक्षा सुरक्षा और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दे सकती है। गति नियंत्रण के प्रभावी उपाय तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक हैं।

स्पीड बम्प और रंबल स्ट्रिप्स जैसे भौतिक ढाँचे लगाने से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में यातायात धीमा करने में मदद मिल सकती है, जबकि रणनीतिक रूप से लगाए गए स्पीड कैमरे एक निवारक और प्रवर्तन उपकरण के रूप में कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, कानून प्रवर्तन पहलों और जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से गति सीमाओं का सख्ती से पालन, तेज़ गति से चलने वाले व्यवहारों को और हतोत्साहित कर सकता है, शराब या नशीली दवाओं के नशे में गाड़ी चलाने की प्रवृत्ति को कम करने पर केंद्रित शैक्षिक अभियान, नशे में गाड़ी चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नशे में गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और वैकल्पिक परिवहन विकल्पों तथा निर्धारित ड्राइवरों के बारे में जानकारी प्रदान करके, इन अभियानों का उद्देश्य नशे में गाड़ी चलाने की आदतों को हतोत्साहित करना है। बेहतर सड़क अवसंरचना, जिसमें बेहतर संकेत, सड़क चिह्न और यातायात नियंत्रण उपायों का कार्यान्वयन शामिल है, सड़क उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करके दुर्घटनाओं में कमी ला सकती है तथा नेविगेशन संबंधी त्रुटियों की संभावना को कम कर सकती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

एडी पशुपालन के गौ-पूजन कर गौ सेवकों को किया सम्मानित

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। गोपाष्टमी के अवसर पर अपर निदेशक पशुपालन प्रमोद कुमार द्वारा बुधवार को अस्थाई गौ आश्रय स्थल, मूसेपुर जलाल, विकास खण्ड धनीपुर में गौपूजन कर संरक्षित गौवंश को गुड़, केला व हरा चारा खिलाया गया। इस अवसर पर डा0 डी0के0 शर्मा, भूतपूर्व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, रजत कुमार पशुधन प्रसार अधिकारी, सतेन्द्र सिंह ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एवं रमेश सिंह केयर टेकर उपस्थित रहें। अपर निदेशक पशु पालन के कार्यालय में गौसेवकों व गोप्रेमियों के साथ विचार विमर्श किया गया एवां गौशालाओं के संचालन में आ रही व्यवाहरिक समस्याओ को सुनते हुये उनके समाधान पर चार्चा की गयी। इस अवसर पर गौ सेवक व गौप्रेमी श्रीमती विमलेश चौधरी, शशी पाल सिंह जनपद अलीगढ, दिव्यांश शर्मा जनपद हाथरस, लकी यादव, हर्षवर्धन सिंह जनपद एटा एवं राम कैलाश जनपद कासगंज को प्रशशित पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

चोरी की सम्पत्ति बेचने पर दस वर्ष कारावास

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। एसएसपी के निर्देशन में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाये जाने हेतु अलीगढ़ पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अभियोजन की संयुक्त प्रभावी पैरवी से माननीय न्यायालय द्वारा चोरी की सम्पत्ति को खरीदकर उसे जालसाजी कर बेचने में दोषी को सजा सुनायी गई। थाना खैर पर पंजीकृत मुकद्दमा में आरोपी संदीप पुत्र सतीश निवासी सहरोई थाना खैर को माननीय न्यायालय द्वारा दोषी पाये जाने पर 10 वर्ष सश्रम कारावास व 75हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

किंशुक श्रीवास्तव ने एडीएम सिटी का कार्यभार संभाला

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। मूल रूप से बश्ती जिले की निवासी किंशुक श्रीवाश्तव ने अपर जिलाधिकारी (नगर) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वे उत्तर प्रदेश पीसीएस 2015 बैच की अधिकारी हैं। श्रीवाश्तव ने वर्ष 2005 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। उन्होंने अब तक सीतापुर, लखनऊ, सहारनपुर एवं मुरादाबाद जिलों में अपनी प्रशासनिक सेवाएँ सफलतापूर्वक प्रदान की हैं। अलीगढ़ उनका पाँचवाँ जिला है। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कहा कि शहर की कानून एवं शांति व्यवस्था को बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और सुशासन की भावना के अनुरूप कार्य करना उनका लक्ष्य रहेगा।

योगेन्द्र कुमार ने सीडीओ का संभाला कार्यभार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। मूल रूप से हरदोई जिले की निवासी योगेन्द्र कुमार ने जिले के विकास के मुखिया के रूप में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर बुधवार को कार्यभार ग्रहण किया। योगेन्द्र कुमार वर्ष 2021 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। योगेन्द्र कुमार ने प्रमुख रूप से झांसी, लखनऊ, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर जिलों में अपनी प्रशासनिक सेवाएँ प्रदान की हैं। आप लखनऊ विश्वविद्यालय से परास्नातक हैं। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाते हुए जिले के विकास को गति देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के त्वरित समाधान और सुशासन की भावना के अनुरूप कार्य करना उनका लक्ष्य रहेगा।

यूपी में गन्ने का मूल्य 30 रुपए बढ़ा, 46 लाख किसानों को सीएम योगी ने दिया बड़ा तोहफा, 3 हजार करोड़ का होगा फायदा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के 46.50 लाख गन्ना किसानों को सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने गन्ने के मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि की है। अब अगैती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 रुपए प्रति कुंतल होगा, जबकि सामान्य प्रजाति के लिए यह दर 390 रुपए प्रति कुंतल तय की गई है।

सरकार ने गन्ने के मूल्य में 30 रुपए प्रति कुंतल तक की बढ़ोतरी की है। इस फैसले से राज्य के गन्ना किसानों को लगभग 3000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। योगी सरकार का यह निर्णय किसानों के लिए एक बड़ा उपहार है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। इससे पहले उत्तर प्रदेश के गन्ना किसान लगातार मूल्य बढ़ाने की मांग कर रहे थे। हाल ही में हरियाणा सरकार ने गन्ने के दाम बढ़ाए थे, जिसके बाद यूपी के किसानों को आस थी कि उनके यहां भी दाम बढ़ेंगे। पेराई सत्र 2021-22 में विधानसभा चुनाव से पहले 25 रुपए प्रति कुंतल की बढ़ोतरी हुई थी।तब अगैती प्रजाति का मूल्य 350 रुपए और सामान्य प्रजाति का 340 रुपए प्रति कुंतल रेट तय हुआ था। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले, पेराई सत्र 2023-24 में अगैती प्रजातियों के मूल्य में 20 रुपए की वृद्धि हुई थी, जिससे यह 370 रुपए प्रति कुंतल हो गया था।

गन्ना मूल्य में लगातार वृद्धि: योगी सरकार ने 2017 से अब तक गन्ना मूल्य में चार बार वृद्धि की है, जिससे राज्य के गन्ना किसानों को बहुत फायदा हुआ है। 2017 से पहले, पूर्ववर्ती सरकारों के शासन में गन्ना किसानों को बहुत कम भुगतान होता था।

2007 से 2017 तक केवल 1,47,346 करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य

भुगतान हुआ, जबकि योगी सरकार ने साढ़े 8 वर्षों में गन्ना किसानों को 2,90,225 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड भुगतान किया है। यह पिछले 10 वर्षों की तुलना में 1,42,879 करोड़ रुपए अधिक है।

चीनी उत्पादन में यूपी देश में दूसरे नंबर पर: प्रदेश में 122 चीनी मिलें संचालित हो रही हैं। उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। पूर्ववर्ती सरकारों ने चीनी उद्योग को भारी नुकसान पहुंचाया था। 21 मिलों को औने-पौने दामों पर बेच दिया गया था। लेकिन, योगी सरकार ने पारदर्शी प्रबंधन के जरिए चीनी उद्योग में 12,000 करोड़ रुपए का निवेश लाया है।

योगी सरकार ने बंद मिलों को चालू करवाया: इसके अलावा, राज्य में 8 नई चीनी मिलें स्थापित की गईं। 6 बंद मिलों को फिर से शुरू किया गया और 42 मिलों में उत्पादन क्षमता का विस्तार किया गया। इस सुधार से चीनी मिलों की उत्पादन क्षमता में 8 नई बड़ी मिलों के बराबर वृद्धि हुई है।

स्मार्ट गन्ना किसान प्रणाली: योगी सरकार ने गन्ना किसानों के लिए 'स्मार्ट गन्ना किसान' प्रणाली लागू की है, जिसके तहत गन्ना पर्ची व्यवस्था अब पूरी तरह ऑनलाइन हो गई है। इससे बिचौलियों का प्रभाव खत्म हो गया है और गन्ना मूल्य का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जाता है।

एथेनॉल उत्पादन में उत्तर प्रदेश नंबर वन: उत्तर प्रदेश अब एथेनॉल उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश का एथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर हो गया है। आसवनियों की संख्या 61 से बढ़कर 97 हो गई है। इससे न केवल गन्ना किसानों को लाभ हो रहा है, बल्कि देश की ऊर्जा नीति में भी उत्तर प्रदेश का अहम योगदान बढ़ा है।

गन्ना क्षेत्रफल बढ़ा: उत्तर प्रदेश में गन्ना क्षेत्रफल में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले जहां गन्ना क्षेत्रफल 20 लाख हेक्टेयर था, अब वह बढ़कर 29।51 लाख हेक्टेयर हो गया है। इससे राज्य में गन्ना उत्पादन में एक और बड़ा उछाल आया है। योगी सरकार के इन फैसलों से न केवल गन्ना किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि राज्य के चीनी उद्योग को भी नई दिशा मिलेगी।

बेटियों की गूंजी किलकारी; मिर्जापुर में कीचड़ सनी जमीन पर हुई डिलीवरी, आगरा स्टेशन पर नन्ही परी का जन्म

मिर्जापुर, एजेंसी। यूपी में सोमवार को दो जगहों पर बेटियों की किलकारी गूंजी। मिर्जापुर में एंबुलेंस कर्मियों की लापरवाही के कारण कीचड़ सनी जमीन पर बेटी का जन्म हुआ, तो वहीं आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर नन्हीं परी ने जन्म लिया।

मिर्जापुर में प्रेग्नेंट महिला को डिलीवरी के लिए ले जा रही एंबुलेंस के कर्मी नेशनल हाईवे पर ही छोड़कर भाग गए। महिला ने कीचड़ सनी जमीन पर बच्ची को जन्म दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पूरा मामला मिर्जापुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौंधा का है। मामले की जानकारी होते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं।

डेढ़ घंटे लेट पहुंची एंबुलेंस – लालगंज थाना क्षेत्र के कोठी खुर्द गांव के रहने वाले अतीक अहमद

ने बताया, पत्नी अरवी बानो को सोमवार की रात प्रसव पीड़ा होने पर 102 एंबुलेंस सेवा को फोन कर घर बुला गया। डेढ़ घंटे की देरी से पहुंची एंबुलेंस से पत्नी को न्यू पीएचसी बरौंधा ले गया। पीएचसी गेट के सामने नेशनल हाईवे पर एंबुलेंस कर्मियों ने पत्नी को नीचे उतार दिया।

कीचड़ में दिया बेटी को जन्म – अतीक ने बताया, पत्नी दर्द से कराह रही थी। मजबूर होकर कीचड़ सनी जमीन पर डिलीवरी करानी पड़ी। जानकारी होते ही अस्पताल कर्मी डॉक्टर के साथ मौके पर पहुंचे और जच्चा बच्चा को भर्ती किया।

मामले में जांच के आदेश : अतीक अहमद ने कहा, ड्राइवर से एंबुलेंस को अस्पताल के अंदर ले जाने को कहा, लेकिन ड्राइवर ने कहा कि सड़क खराब है। अंदर नहीं जाएगा। इसके बाद पत्नी को नीचे उतार दिया और भाग गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी हलिया डॉ। अवधेश कुमार ने बताया कार्य में लापरवाही बरतने वाले 102 एंबुलेंस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले को उच्च अधिकारियों से अवगत करा दिया गया है।

प्लेटफॉर्म पर दिया नन्ही परी को जन्म : वहीं आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर सोमवार देर शाम प्लेटफार्म नंबर एक पर नवजात की किलकारी गूंजी। दर्द से कराह रही प्रसूता के लिए जीआरपी और आरपीएफ की महिला पुलिसकर्मी फरिश्ता बनीं। जिससे ही प्रसूता ने एक नन्ही परी को जन्म दिया। महिला पुलिस कर्मियों की सूचना पर रेलवे डॉक्टर मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक बच्ची की गर्भनाल काटी। जच्चा-बच्चा को रेलवे एंबुलेंस से एसएन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दोनों को भर्ती किया गया।

सतारा की रहने वाली है महिला: सोमवार शाम करीब 7–50 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर स्थित फूड प्लाजा के पास एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने लगी। डिप्टी एसएस कॉमर्शियल से सूचना मिलते ही जीआरपी कैंट थाना प्रभारी विकास सक्सेना ने टीम को मौके पर भेजा। हेड कांस्टेबल कुसुमलता तुरंत वहां पहुंचीं।

कानपुर के जुड़वा क्रिकेटर रोहित और राहुल; श्रीलंका में होने वाले पैरा क्रिकेट टी20 में मचाएंगे धमाल

कानपुर, एजेंसी। शहर के दामोदर नगर में रहने वाले जुड़वा भाई रोहित और राहुल गुप्ता हाथ और पैरों से दिव्यांग हैं। लेकिन इनकी पहचान सिर्फ इतनी नहीं है, दिव्यांगता को पीछे छोड़ यह जुड़वा भाई पैरा क्रिकेट में सफलता की नई कहानी गढ़ रहे हैं। राहुल-रोहित गुप्ता 13 से 17 नवंबर को श्रीलंका में होने वाले पैरा क्रिकेट टी-20 टूर्नामेंट के लिए चयनित हुए हैं। दोनों भाइयों की यह उपलब्धि लाखों युवाओं को प्रेरित करने वाली, जो शारीरिक कमियों को अभिशाप मानकर जिंदगी की रफ्तार में खुद को पीछे धकेल लेते हैं। श्वङ्खङ्क भारत ने इनसे खास बाचतीत की।

हाथ और पैर से दिव्यांग– राहुल गुप्ता ने बताया वह बल्लेबाजी करते हैं, जबकि भाई रोहित आलराउंडर हैं। दोनों ही हाथों और पैरों से दिव्यांग हैं। कमर से हाथ और पैर मुड़े हुए हैं। साल 2007-10 तक दोनों ने एआईटीएच से पॉलीटेक्निक की पढ़ाई पूरी की। दोनों ही भाई 10

साल की उम्र से ही क्रिकेट खेल रहे हैं।

बचपन से क्रिकेट को चुना– अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों के अंबार से भी न डिगने वाले राहुल मुस्कुराकर कहते हैं, कि हर भारतीय को जितना अधिक क्रिकेट से लगाव है, उतना ही उन्हें भी है। क्रिकेट को लेकर दिवानगी बचपन से ही रही। हम दोनों भाइयों ने बचपन में ही सपना बुना था कि किसी पर बोझ नहीं बनेंगे। नौकरी करते हुए भी क्रिकेट से नाम रोशन करेंगे।

प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा– राहुल और रोहित गुप्ता ने बताया कि जब उनका एडमिशन डा। अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडीकैप्ड फॉर टेक्नोलॉजी में हुआ, तो वहां क्रिकेट की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

पीलीभीत में ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर सामने से आर रहे ट्रक में टकराई, तीन की मौत

पीलीभीत, एजेंसी। थाना गजरौला कला क्षेत्र में मंगलवार देर रात दो ट्रक और एक पिकअप के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में पिकअप सवार तीन लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। वहीं ट्रक चालक घायल हो गया। हादसा नेशनल हाईवे पर स्मार्ट सिटी स्थित आदर्श किसान इंटर कॉलेज के पास हुआ।

सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया, देर रात एक पिकअप बगड़ा से टेंट का सामान लेकर पीलीभीत की ओर जा रही ती। पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे पिकअप सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गई। उसी समय पूरनपुर की ओर से आ रहा एक और ट्रक सामने से पिकअप से जा टकराया। तीनों वाहनों की भिड़ंत इतनी भीषण थी कि पिकअप में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही

थाना गजरौला कला पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवाया और हाईवे पर फंसे वाहनों को हटवाकर आवागमन शुरू कराया। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान की जा रही है।

मुजफ्फरनगर में डीसीएम ने युवक को रौंदा – शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव काकड़ा में एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। तेज रफ्तार डीसीएम ने मोटरसाइकिल सवार पप्पू को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पप्पू जड़ौदा गांव का रहने वाला था। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मोहित चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। हादसे के बाद डीसीएम चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

कांग्रेस का संविधान बचाओ कार्यक्रम, एसआईआर पूरी तरह से बहकाने वाला और छलावा : अजय राय

सीतापुर, एजेंसी। कांग्रेस के संविधान बचाओ कार्यक्रम के तहत मंगलवार को शहर के राजा कॉलेज मैदान में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी समेत कई दिग्गज भी जुटे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा और उनकी नीतियों पर जमकर प्रहार किए। साथ ही यूपी में चुनाव आयोग के एसआईआर मुद्दे पर तीखी टिप्पणियां कीं।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि बाबा साहब डॉ। भीमराव अंबेडकर ने सभी धर्म व जाति के लोगों को एकजुट कर समाज को गुलदस्ते के रूप में स्थापित करने का काम किया था। उस गुलदस्ते को भाजपा उजाड़ने का काम कर रही है। भाजपा हर तरह से देश को तोड़ने में लगी है। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि स्ढ्ढक्र पूरी तरह से बहकाने वाला और छलावा है। भाजपाई विपक्ष और जनता की बात नहीं सुनते। न्यायालय के आदेशों की भी अनदेखी हो रही है। मतदाताओं को उनके अधिकार से भी वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। बिहार का चुनाव भाजपा के रवैये को दर्शा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपाइयों का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। हालांकि जहां राहुल गांधी की परछायी पड़ती है, वहां भाजपाई डर जाते हैं। पीएम मोदी तो नींद की दवा खाकर सोते हैं। इस मौके पर सहारनपुर सांसद इमरान मसूद, सांसद राकेश राठौर, पंडित रामगोपाल मिश्रा, पूर्व विधायक अनुसुइया शर्मा, जिला अध्यक्ष ममता वर्मा और शहर अध्यक्ष शिशिर बाजपेयी, बृजपाल मौर्य, अब्दुल्ला खान, मुन्ना सिंह, कमल नयन, श्रेष्ठ तिवारी मौजूद रहे।

होटल से बिना कपड़ों के भागी युवती; पहली मंजिल से नीचे गिरी, हालत गंभीर, छोड़कर भागा बॉयफ्रेंड

आगरा, एजेंसी। होटल से एक युवती बिना कपड़ों के ही भागने लगी। इस दौरान वह पहली मंजिल से नीचे गिर गई। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने उसे चादर से ढका। घटना के बाद बॉयफ्रेंड उसे छोड़कर भाग निकला। होटल का स्टाफ भी फरार हो गया। घटना सिकंदरा इलाके के एक होटल की है। पुलिस ने होटल मालिक को हिरासत में लिया है।

मामला सिकंदरा थाना के शास्त्रीपुरम स्थित आरवी लोधी कॉम्प्लेक्स में बने एक होटल का है। होटल में 5 रूम और एक हॉल है। एसीपी अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि मंगलवार को होटल से एक युवती के गिरने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। युवती को घायल अवस्था में पश्चिमपुरी स्थित एक हॉस्पिटल में एडमिट कराया है।

एसीपी अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि होटल के कमरा नंबर- 4 में युवती अपने बॉयफ्रेंड के साथ पहुंची थी। दोनों में किसी का बर्थडे था। इसके लिए रूम को सजाया था। बाकी कमरे अस्त-व्यस्त थे। आशंका है कि इसी कमरे में लड़की अपने बॉयफ्रेंड के साथ थी। होटल के सीसीटीवी भी खंगाले हैं। होटल के रिकॉर्ड की पुलिस जांच कर रही है।

आशंका है कि युवती छत के किनारे बने डक्ट से होकर नीचे गिरी। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। युवती अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत में सुधार होने पर पूछताछ की जाएगी। इसके बाद ही युवती कैसे गिरी, इसके बारे में पता लग पाएगा। वहीं घटना के बाद युवती का बॉयफ्रेंड फरार हो गया। होटल का अन्य स्टाफ भी भाग निकला। पुलिस ने होटल मालिक को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम योगी का बड़ा तोहफा : यूपी में 57 तहसीलदार हुए परमानेंट पीसीएस अधिकारी

लखनऊ, एजेंसी। छठ पूजा के दिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तहसीलदारों को बड़ा तोहफा दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रांतीय सिविल सेवा के 57 अधिकारियों का स्थायीकरण आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश विशेष सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग, आईएएस अन्नपूर्णा गर्ग द्वारा हस्ताक्षरित है। अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि मुख्य रूप से 2020 और 2022 बैच के तहसीलदार से पदोन्नत होकर उपजिलाधिकारी बने अधिकारियों को इसका लाभ मिला है। यह स्थायीकरण उत्तर प्रदेश लोक सेवा (कार्यपालिका) अधीनस्थ सेवा नियमावली, 2003 के तहत विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों पर आधारित है। जुलाई 2025 में हुई डीपीसी बैठक के बाद यह आदेश अब जारी हुआ। इससे अधिकारियों को वेतनमान, पेंशन और सेवा स्थिरता जैसे लाभ सुनिश्चित होंगे।

आधिकारिक सूची में शामिल कुछ प्रमुख नाम हैं। 2020 बैच के अभय राज पांडे , हेमंत कुमार गुप्ता, कमलेश कुमार, करणवीर सिंह, लालता प्रसाद, अशोक कुमार सिंह , विजय यादव, सुबोध मणि शमा, भूपाल सिंह और केशव प्रसाद।

वहीं, 2022 बैच से मोनालिसा जौहरी, अभय सिंहऔर तान्या (सहायक नगर आयुक्त झांसी) का भी स्थायीकरण हुआ है। हालांकि पूर्ण सूची अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और युवा अधिकारियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

यूपी का 600 साल पुराना सात्विक गांव; शराब-तंबाकू तो दूर, प्याज-लहसुन भी नहीं खाते लोग

सहारनपुर, एजेंसी। बदलते दौर और जीवनशैली में सामान्य तौर पर शराब या किसी भी तंबाकू उत्पाद का सेवन एक आम बात हो चली है। खासकर युवा पीढ़ी बड़ी तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रही है। लोगों को नशे से दूर रखने के तमाम प्रयासों-जागरूकता कार्यक्रमों के बावजूद यह संख्या कम नहीं हो रही है। नशे के आदी हो चुके लोगों को इसके चाहे कितने ही नुकसान गिना दें, यह व्यसन उनसे छूटता नहीं।

ऐसे में सहारनपुर का एक गांव एक मिसाल बना है। यहां शराब, मांस के साथ ही 36 प्रकार के तामसिक पदार्थों का सेवन पिछले करीब 600 सालों से मना है। इस गांव में कोई नशा नहीं करता, न ही नशे से जुड़ा कोई उत्पाद बिकता है। यहां दुकानों पर लहसुन-प्याज तक नहीं दिखेगी। यह गांव है मिरगपुर। इसे नशा मुक्त गांव का सर्टिफिकेट भी 2018 में मिला है। इंडिया बुक के अलावा इस गांव का नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज किया जा चुका है। लेकिन, नशे से खुद को दूर रखने की जो रवायत इस गांव की सदियों से है, इसके पीछे एक रोचक कहानी है।

बाबा फकीरा दास ने दिया था वरदान: सहारनपुर जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर है गांव मिरगपुर। यहां पिछली करीब 20 पीढ़ियों से

लोग किसी भी तरह के नशे से दूर हैं। न कोई शराब पीता है, न तंबाकू का सेवन करता है। इतना ही नहीं, कोई मांसाहारी नहीं है। शाकाहारी भोजन में भी लहसुन-प्याज से सख्त परहेज है। हैरत की बात यह कि कोई प्याज-लहसुन की खेती भी नहीं करता। दरअसल, इस गांव को पहचान बाबा फकीरा दास से मिली है।

गांव के 85 साल के बुजुर्ग राजपाल बताते हैं कि गांव में करीब 600 साल पहले बाबा फकीरा दास आए थे। उस वक्त गांव में एक ही हिन्दू परिवार रहता था, जिसमें पांच भाई हुआ करते थे। बाबा फकीरा दास ने गांव को नशामुक्त रहने का वरदान दिया। उसके बाद से ही गांव में कोई किसी तरह का नशा नहीं करता। आज इस गांव की आबादी 10000 से ज्यादा हो गई।

साल में दो बार लगता है मेला– बाबा फकीरा दास को अपना आराध्य मानते हुए हिन्दू परिवारों ने गांव के बाहर भव्य मंदिर बनवाया, जो आज भी है। यहां आसपास के गांवों के लोग भी दर्शन करने आते हैं। मंदिर पर साल में दो बार विशाल मेला आयोजित किया जाता है। गांव के हर घर में पकवान बनाए जाते हैं। गांव में 50 दुकानें, नहीं बिकती बीड़ी-सिगरेट– इस गांव में 50 दुकानें हैं। इन पर रोजमर्रा की चीजें तो मिल जाएंगी, लेकिन नशा या तामसिक भोजन से जुड़ा कोई उत्पाद नहीं मिलेगा। दुकानदार राजकरण दो टूक कहते हैं, यहां किसी भी दूकान पर तंबाकू तो दूर लहसुन-प्याज भी नहीं मिलता। इनकी खरीद-फरोख्त पूर्णत बंद है। साथ ही अगर कोई इसके बारे में पूछता है तो उसे भी नशे से दूर रहने की हिदायत दी जाती है। पूरा गांव शिक्षित, सभी के पास रोजगार– 10 हजार की आबादी वाला यह गांव पूरी तरह शिक्षित है। अधिकतर लोग खेती करते हैं। इसके अलावा सरकारी नौकरियों में भी लोग हैं। गांव के 20 से ज्यादा युवा पुलिस और आर्मी में अपनी सेवा दे रहे हैं। जबकि कुछ शिक्षा के क्षेत्र में हैं। साथ ही प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों की संख्या भी अच्छी खासी है। गांव के लोग बताते हैं कि 100 से ज्यादा युवक दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और चंडीगढ़ जैसे शहरों में नौकरी कर रहे हैं। अच्छी बात यह है कि गांव से बाहर जाने वाले दूसरे शहरों में रहकर भी नशा नहीं करते। नशे से दूर रहना उनके आचरण में है।नई पीढ़ी भी कायम रखे है पहचान– ऐसा नहीं है कि गांव मिरगपुर आधुनिकता से दूर है। बस, नशे को पास फटकने नहीं दिया है। एक के बाद पीढ़ी दूसरी पीढ़ी खुद को नशे से दूर रखने के संकल्प को ठान कर आगे बढ़ती है। अपने बड़े-बुजुर्गों को देख बच्चे भी उनकी ही राह पर चलते हैं।

बेंगलुरु के स्टेडियम में मैच के दौरान महिला के लिए चाकुओं से हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु के फुटबॉल स्टेडियम में खेल के रोमांच के बीच हुई चाकुबाजी ने अचानक ही दहशत फैला दी. साथ ही स्टेडियम की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए. ये सबकुछ एक महिला को लेकर हुए झगड़े के चलते हुआ. चाकुओं के हमले का नजारा चस्स्न सुपर डिवीजन लीग में बेंगलुरु यूनाइटेड और स्पोर्टिंग क्लब के बीच हुए मैच के दौरान देखने को मिला था. पुलिस के मुताबिक हमला उस स्थानीय फुटबॉलर सत्या पर किया गया, जिसकी बीते रविवार को उल्लूर में एक महिला को लेकर मैथ्यू नाम के शख्स से लड़ाई हो गई थी.

चश्मदीदों ने बताया घटना का हाल

स्टेडियम में मौजूद चश्मदीदों के मुताबिक स्टेडियम में सत्या के पीछे तकरीबन 6 लोग भाग रहे थे. वो उसका पीछा कर रहे हैं. उनके पास चाकू जैसे हथियार भी थे, जो कि उन्होंने अपने कपड़ों के अंदर छिपा रखे थे. लोगों के मुताबिक ये घटना मैच के पहले हाफ की है. चश्मदीदों के मुताबिक, हमलावरों से बचने के लिए सत्या छिपने के लिए बेसमेंट की ओर भागा. लेकिन, वहां भी पीछा करते हुए एक हमलावर पहुंच गया. आखिर में चस्स्न के अधिकारियों के शोर मचाने पर हमलावरों को पीछे हटना पड़ा. इस पूरी घटना को लेकर पुलिस को सूचना दे दी गई थी. लेकिन, इससे पहले पुलिस वहां पहुंच पाती, हमलावर भाग निकले.

पुलिस की जांच में क्या सामने आया?

पुलिस की मानें तो सत्या और मैथ्यू का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उल्लूर में पहले इन दोनों की कोई शिकायत दर्ज हुई थी.

कप्तानी से हटाए जाने के बाद बागी हुए मोहम्मद रिजवान

- पीसीबी के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से किया मना

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने वनडे टीम की कप्तानी से हटाए जाने के बाद बगावत कर दी है। उन्होंने नेशनल प्लेयर्स को दिए गए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से मना कर दिया है, क्योंकि उन्हें कैटेगरी बी में रखा गया है। एक सूत्र के हवाले से बताया कि रिजवान उन 30 खिलाड़ियों में से अकेले हैं जिन्हें नया कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है और डॉक्यूमेंट पर साइन नहीं किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कॉन्ट्रैक्ट देते समय कैटेगरी ए को हटा दिया है। इसमें पहले सिर्फ बाबर आजम, रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी थे। यह कैटेगरी प्लेयर्स को यह साफ मैसेज देने के लिए हटाई गई थी कि बोर्ड पिछले एक साल में उनके प्रदर्शन से खुश नहीं है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सामने रखी शर्तें

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीन सीनियर खिलाड़ियों समेत 10 खिलाड़ियों को कैटेगरी बी में एक साथ रखा है, लेकिन रिजवान ने हाल ही में बोर्ड को साफ कर दिया है कि वह डॉक्यूमेंट पर तभी साइन करेंगे जब बोर्ड उनकी कुछ शिकायतों पर ध्यान देगा। सूत्र ने कहा कि रिजवान ने यह मांग वनडे की कप्तानी से हटाए जाने के बाद की।

- बीसीसीआई ने क्रिकेटर की इंजरी पर दी अपडेट

श्रेयस अय्यर की हालत स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे मैच में कैच लपकने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। इंजरी गंभीर थी और उन्हें कुछ समय के लिए आईसीयू में रखा गया था।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अय्यर की इंजरी पर अपडेट दिया है और उनकी स्थिति को स्थिर बताया है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, श्रेयस अय्यर के पेट में गंभीर चोट लगी थी, जिसकी वजह से उन्हें आंतरिक रक्तस्राव भी हुआ था। चोट की तुरंत पहचान कर ली गई। इलाज के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद हो गया। उनकी हालत अब स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। मंगलवार को दोबारा किए गए स्कैन में उनकी इंजरी में काफी सुधार दिखा है।

बोर्ड की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के परामर्श से, उनकी प्रगति पर नजर रखेगी। बोर्ड ने बताया कि पहले श्रेयस की इंजरी को पसलियों की समस्या माना जा रहा था, लेकिन इंजरी अनुमान से ज्यादा गंभीर थी। स्कैन में तिल्ली में चोट का पता चला है, जिसके कारण अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अय्यर अब आईसीयू से बाहर हैं। श्रेयस अय्यर पूर्व में भी इंजरी की वजह से लंबे समय तक क्रिकेट से बाहर रहे हैं। उम्मीद है, इस इंजरी से वे जल्द ही रिकवर करेंगे और क्रिकेट के मैदान पर वापस आएंगे। अय्यर फिलहाल सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते नजर आते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए थे। सीरीज के पहले वनडे में उनका बल्ला नहीं चला था। लेकिन, दूसरे वनडे में अय्यर ने 61 रन की अहम पारी खेली और तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ 118 रन की साझेदारी कर 17 रन पर 2 विकेट गंवा चुकी भारतीय टीम को 264 रन तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया पहला टी-20

भारत वर्सेस ऑस्ट्रेलिया पहला टी-20 बारिश के कारण रद्द

- केवल 58 गेंदों का खेल हुआ, इंडिया ने एक विकेट पर बना लिए थे 97 रन

कैनबरा, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टी-20 सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। कैनबरा में बारिश की वजह से 2 बार खेल रोकना पड़ा। आखिरी बार जब खेल रोका गया था, तब तक भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9.4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बना लिए हैं। शुभमन गिल 39 और कप्तान सूर्यकुमार यादव 39 रन पर नाबाद रहे। अभिषेक शर्मा 19 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नाथन एलिस ने टिम डेविस के हाथों कैच कराया।

क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउन:

गुकेश नें किया नाकामुरा से हिसाब बराबर बनाई एकल बढ़त

सेंट लुईस यूएसए, एजेंसी। यूएसए शतरंज की राजधानी सेंट लुईस में क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउन में दुनिया के चार दिग्गज खिलाड़ी वर्तमान विश्व चैम्पियन भारत के डी गुकेश , पाँच बार के पूर्व विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन , दुनिया के वर्तमान नंबर 2 और नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारु नाकामुरा और फबियानों करूआना के बीच मुकाबला शुरू हो गया है और अपने सभी आलोचको को करारा जबाब देते हुए गुकेश नें पहले दिन के खेल के बाद एकल बढ़त हासिल कर ली है । विश्व चैंपियनशिप डी गुकेश नें पहले दिन खेले गयी छह रैपिड बाजियों में 3 जीत 2 ड्रॉ और एक हार के साथ सर्वाधिक 4 अंक बनाते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है । गुकेश नें इस दौरान कार्लसन से 0.5 - 1.5 , नाकामुरा से 1.5-0.5 और करूआना से 2-0 का परिणाम हासिल किया । कार्लसन के खिलाफ गुकेश पहली बाजी ही जीतने के बेहद करीब पहुँच गए थे पर अंत में टाइम प्रेसर में खेल हार गए और उनकी दूसरी बाजी बेनतीजा रही पर उसके बाद गुकेश नें शानदार वापसी की और कुछ दिन पहले एक प्रदर्शनी मुकाबले मे उनका राजा हवा मे उछालने वाले यूएसए के हिकारु नाकामुरा को काले मोहोरे से एक बेहतरीन बाजी खेलते हुए मात दी और अगली बाजी ड्रॉ खेलेते हुए स्कोर 1.5-0.5 से अपने पक्ष मे कर लिया पर उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन आया विश्व नंबर 3 फबियानों करूआना के खिलाफ जहां उन्होने दोनों ही बाजियों मे करूआना को पराजित करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की ।

विश्व बॉक्सिंग कप:

विश्वकप में जीतीं तो जैस्मिन-मीनाक्षी बनेंगी नंबर एक; निकहत हासिल करेंगी पुराना दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह की मानें तो हाल ही में लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57) और मीनाक्षी हुड्डा (48) अगर विश्वकप फाइनल्स में विजेता बनती हैं तो दोनों अपने भार वर्गों में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन जाएंगी। पेरिस ओलंपिक के बाद से पूर्व विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51) के लिए मुक्केबाजी के रिंग में वापसी आसान नहीं रही है।

विश्व चैंपियनशिप में वह कोई कमाल नहीं दिखा सकीं, लेकिन अपने घर में होने जा रहा विश्वकप फाइनल्स सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि 2023 की विश्व चैंपियन स्वीटी के लिए भी वापसी का बड़ा मंच बनने जा रहा है। 14 नवंबर से ग्रेटर नोएडा शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में होने वाले इस टूर्नामेंट को निकहत और स्वीटी ने स्वर्णिम लक्ष्य बनाया है। स्वीटी तो दो वर्ष पूर्व विश्व चैंपियन बनने के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शिरकत करने जा रही हैं। वह भी अपने पुराने भार वर्ग 75 किलो में। इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के नाते भारत पुरुष और महिलाओं के सभी 10-10 भार वर्गों में अपने मुक्केबाज उतारने जा रहा है।

हिम्मत हो तो कुछ भी मुमकिन है

गर्भावस्था में 145 किलो वजन उठाकर दिल्ली पुलिस की सोनिका बनीं मिसाल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों ने उनका तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी। ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर 2025-26 में दिल्ली पुलिस की कॉन्स्टेबल सोनिका यादव ने प्रेरणादायक मिसाल पेश की। सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद, उन्होंने कुल 145 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सोनिका ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 125 किग्रा स्क्वॉट, 80 किग्रा बेंच प्रेस, और 145 किग्रा डेडलिफ्ट उठाए।

देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं सोनिका: गर्भावस्था के बावजूद उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पुलिस बल बल्कि पूरे देश को प्रेरित किया है। मई में जब सोनिका को अपनी गर्भावस्था का पता चला, तब सबको लगा कि वह अपनी ट्रेनिंग रोक देंगी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। डॉक्टरों की निगरानी में उन्होंने अपना वर्कआउट जारी रखा और अपनी फिटनेस व खेल दोनों के प्रति समर्पण बनाए रखा। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों तालियों बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी।

लूसी मार्टिन्स से मिली प्रेरणा

तैयारी के दौरान सोनिका ने अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर लूसी मार्टिन्स से प्रेरणा ली, जो गर्भावस्था में भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। सोनिका ने उनसे इंस्टाग्राम पर संपर्क कर सलाह और मोटिवेशन प्राप्त किया। 2014 बैच की यह अधिकारी इस समय कम्युनिटी पुलिसिंग सेल में तैनात हैं। इससे पहले, वे मजनू का टीला क्षेत्र में बीट ऑफिसर के रूप में एंटी-ड्रग जागरूकता अभियानों में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उनके समर्पण और साहस को पहले भी सराहा गया है। 2022 में दिल्ली पुलिस आयुक्त ने उन्हें सम्मानित किया था और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी महिला दिवस पर उनकी हिम्मत और लगन की तारीफ की थी। आंध्र प्रदेश में जब सोनिका ने 145 किलो का डेडलिफ्ट पूरा किया और पदक जीता, तब उनकी गर्भावस्था का खुलासा होते ही दर्शक दंग रह गए। सोनिका ने अपनी सफलता का श्रेय हिम्मत और निरंतरता को देते हुए कहा कि अगर जज्बा हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती, गर्भावस्था भी नहीं।

एबी डिविलियर्स ने किया खुलासा

कोहली कब लेंगे वनडे और आईपीएल से रिटायरमेंट?

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली के क्रिकेट भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप कोहली के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टूर्नामेंट साबित हो सकता है। हालांकि, डिविलियर्स का यह भी कहना है कि कोहली आईपीएल में कई साल तक खेलते रह सकते हैं। कोहली हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेले, जहां शुरुआती दो मैचों में वह लगातार डक पर आउट हुए, लेकिन तीसरे वनडे में उन्होंने 74 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारत को 9 विकेट से जीत दिलाई।

डिविलियर्स का कोहली पर बयान

एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मेरे हिसाब से 2027 वर्ल्ड कप तक खेल सकते हैं। आईपीएल में तैयारी के लिए सिर्फ दो-तीन महीने चाहिए होते हैं, जबकि वर्ल्ड कप की तैयारी चार साल की होती है, जो शरीर और मानसिक संतुलन दोनों पर असर डालती है। उन्होंने यह भी कहा, कोहली ने खेल को हमेशा के लिए बदल दिया है।

अब वक्त है कि हम उन्हें सेलिब्रेट करें। चाहे वह पांच साल और खेलें या कल ही संन्यास लें – उन्हें पूरा समर्थन मिलना चाहिए। गैर है कि विराट कोहली अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में नजर आएंगे, जो 30 नवंबर से रांची में शुरू होगी। विराट कोहली का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। लेकिन आईपीएल अलग बात है – वहां वह अगले तीन, चार या पांच साल

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले मोहम्मद शमी ने चटकाए 8 विकेट

धाकड़ परफॉर्मेंस के बाद भी आखिर क्यों हैं टीम से बाहर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी रणजी ट्रॉफी में कमाल दिखा रहे हैं. शमी ने 28 ओवर में 8 विकेट चटकाए. शमी ने रणजी ट्रॉफी में खेले गए पिछले मुकाबले में उत्तराखंड के खिलाफ भी 7 विकेट हासिल किए थे. शमी लगातार रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए धाकड़ गेंदबाजी कर रहे हैं. इसके साथ शमी अपनी दमदार परफॉर्मेंस से टीम इंडिया के सेलेक्टर्स को ये बताना चाहते हैं कि पूरी तरह से फिट हैं और भारतीय टीम में वापसी के लिए भी तैयार हैं. इस समय टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है, जहां 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है. लेकिन शमी इस स्क्वाड का हिस्सा नहीं हैं.

मोहम्मद शमी की धाकड़ गेंदबाजी

बंगाल और गुजरात के बीच ग्रुप स्टेज में चल रहे मुकाबले में मोहम्मद शमी ने 8 विकेट लिए. शमी ने गुजरात की पहली पारी में 18.3 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए.

वहीं गुजरात के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी शमी के सामने नहीं टिक पाए. शमी ने गुजरात की दूसरी पारी में पांच बल्लेबाजों को वापस पवेलियन भेजा और पांच विकेट हॉल पूरा किया. शमी की इस धमाकेदार गेंदबाजी की वजह से बंगाल ने ये मुकाबला 141 रनों से जीत लिया.

शमी और सेलेक्टर्स के बीच चल रही तनातनी

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आखिरी बार टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल मैच में खेलते हुए चैपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान नजर आए थे. इसके बाद से ही शमी टीम से बाहर चल रहे हैं. चीफ सेलेक्टर अजीत आगरकर ने एक बार प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शमी की इंजरी के बारे में पूछने पर कह दिया था कि नो अपडेट. वहीं शमी ने इसके जवाब में मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं तो खेलने के लिए मौजूद हूं, अगर मैं फिट नहीं होता, तब रणजी ट्रॉफी भी कैसे खेल रहा होता. जब अजीत आगरकर को शमी का ये जवाब मिला, तब चीफ सेलेक्टर ने कहा कि मुझे लगता है कि शमी और मुझे इस बारे में बात करने की जरूरत है.